संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 102
पृष्ठ 8
मंगलवार
30 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित | Email : shaharsamta@gmail.com | Website : https://Shaharsamta.com | सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लिपस्टिक का रंग चुनना मुश्किल....
विचार- वाई प्लस सिक्योरिटी के साथ देर...
खेल- 45 छक्के, 40 मिनट बॉलिंग: अभिषेक...

सेना के लिए 79,000 करोड़ के हथियार: राजनाथ सिंह बोले- अब बढ़ेगी परिचालन क्षमता

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा सशस्त्र बलों के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दिए जाने के बाद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि मंत्रालय भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है और लिए गए निर्णय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होंगे। यह तब हुआ जब रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने तीनों सेनाओं के लगभग 79,000 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दी। एक पोस्ट में राजनाथ सिंह ने लिखा कि आज हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में तीनों सेनाओं के लगभग 79,000 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दी गई। पोस्ट

में आगे कहा गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। आज लिए गए निर्णय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 29 दिसंबर, 2025 को हुई बैठक में, तोपखाने रेजिमेंटों के लिए लोइटर मुनिशन सिस्टम, लो लेवल लाइट वेट रडार, पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम (एमआरएलएस) के लिए लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट गोला–बारूद और भारतीय सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके–II की खरीद के लिए एओएन को मंजूरी दी गई। लोइटर मुनिशन का उपयोग सामरिक लक्ष्यों पर सटीक हमले के लिए किया जाएगा, जबकि लो लेवल लाइट वेट रडार छोटे आकार के, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूरोपीय प्रणालियों) का पता लगाने और उन पर नज़र रखने में सक्षम होंगे। लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट पिनाका एमआरएलएस की रेंज और सटीकता को बढ़ाएंगे, जिससे उच्च–मूल्य वाले लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया जा सकेगा। मंत्रालय ने बताया कि बढ़ी हुई रेंज वाला इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके–II सामरिक युद्ध क्षेत्र और भीतरी इलाकों में भारतीय सेना की महत्वपूर्ण संपत्तियों की रक्षा करेगा। भारतीय नौसेना को बोलार्ड पुल (बीपी) टग्स, हाई फ्रीक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (एचएफ एसडीआर) मैनपैक की खरीद और हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग रेंज (एचएएलई) रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) के पट्टे के लिए एओएन प्रदान किया गया था।

बोले सीएम: घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान

- प्रचंड ठंड में भी सीएम का जनसेवा अनुष्ठान
- गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन, करीब 150 लोगों की सुनीं समस्या

गोरखपुर, संवाददाता। जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रचंड ठंड में भी जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान कराएंगे, सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी।' अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान का निर्देश दिया। लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। सबकी समस्याएं सुनीं और आश्वस्त किया कि सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। पैमाइश की जरूरत हो, पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए। पारिवारिक विवाद के मामलों में उन्होंने उभयपक्षों के साथ संवाद कर समाधान की राह निकालने के लिए निर्देशित किया। कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज । शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी गूगल मीट द्वारा काव्य गोष्ठी सीमा वर्णिका की अध्यक्षता मुख्य अतिथि रचना सक्सेना एवं विशिष्ट अतिथि। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति साधना शुक्ला । काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अनीता दुबे, सरिता कपूर, सुषमा सिंह उर्मि, डॉक्टर कुमारी शशि जायसवाल, सुनीता गुप्ता कानपुर, सुनीता मिश्रा, रेणुका पटेल। रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

उन्नाव दुष्कर्म कांड : कुलदीप सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, जमानत के आदेश पर लगायी रोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें उन्नाव दुष्कर्म मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा पर रोक लगा दी थी और उन्हें जमानत दे दी थी। यह आदेश दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई करते हुए जारी किया गया था। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अवकाशकालीन पीठ ने की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने आदेश जारी करते हुए कहा कि इस मामले में कानून के कई महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़े हुए हैं।

असम से घुसपैठियों पर अमित शाह का बड़ा बयान: कांग्रेस ने सालों तक आंखें मूंदी, अब हो रही कार्रवाई

असम, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के नागांव जिले में बटाद्रवा सांस्कृतिक परियोजना का उद्घाटन करते हुए भारत रत्न गोपीनाथ बोरदोलोई की विरासत को याद किया और कहा कि उनके प्रयासों के बिना असम और पूरा पूर्वोत्तर भारत का हिस्सा नहीं रह पाता। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि, पुनर्निर्मित बटाद्रवा थान में बोलते हुए शाह ने कहा कि आज मैं भारत रत्न गोपीनाथ जी को याद करना चाहता हूं। अगर वे न होते, तो असम और पूरा पूर्वोत्तर आज भारत का हिस्सा न होता। गोपीनाथ जी ही थे जिन्होंने जवाहरलाल नेहरू को असम को भारत में रखने के लिए बाध्य किया। बातद्रवा थान के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, शाह ने इसे असमिया समाज में एकता और सद्भाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक पूजा स्थल नहीं है, बल्कि असमिया सद्भाव का जीवंत प्रतीक है। सभी समुदाय यहां 'नव–वैष्णव धर्म' को आगे बढ़ाने के लिए आते हैं। उन्होंने श्रीमंत शंकरदेव द्वारा प्रचारित समावेशी वैष्णव परंपरा का जिक्र

किया। असम सरकार द्वारा शुरू की गई बटाद्रवा सांस्कृतिक परियोजना का उद्देश्य इस पवित्र स्थल को विश्व स्तरीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थल में परिवर्तित करना है। अतिक्रमण मुक्त कराई गई 162 बीघा भूमि पर फैली इस परियोजना को लगभग 217 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया गया है। इसके साथ ही अमित शाह जोर देते हुए कहा कि भाजपा पूरे देश से सभी घुसपैठियों को हटाने का संकल्प लेती है...क्या शंकरदेव की इस जगह पर बांग्लादेशी घुसपैठियों का होना उचित था? मैं हिमंता बिस्वा शर्मा को घुसपैठियों को यहाँ से हटाने और नामघर स्थल को पुनः स्थापित करने के लिए बधाई देता हूँ। एक लाख बीघा से अधिक भूमि घुसपैठियों से मुक्त कराई गई है। कांग्रेस ने इतने वर्षों तक शासन किया, लेकिन उसने असम आंदोलन के लिए प्राणों की आहुति देने वालों के लिए कुछ नहीं किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि यह पहल असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करने में सहायक होगी, साथ ही राज्य के पूजनीय वैष्णव संत, समाज सुधारक और सांस्कृतिक प्रतीक श्रीमंत शंकरदेव के आदर्शों को बढ़ावा देगी। यह परियोजना पारंपरिक असमिया सौंदर्यशास्त्र को आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ मिलाकर एक व्यापक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परिसर का निर्माण करती है।

बीजेपी ने जारी की 66 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, किरीट सोमैया के बेटे को टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव के लिए अपने 66 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। ये चुनाव अगले साल जनवरी में होने वाले हैं। महायुति के नेतृत्व वाली भाजपा राज्य में हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में मिली सफलता से उत्साहित है और नगर निगम चुनावों में भी उसी प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद कर रही है। भाजपा, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन में बीएमसी चुनाव लड़ रही है। हालांकि दोनों पार्टियों ने अभी तक सीटों के बंटवारे की घोषणा नहीं की है। भाजपा बीएमसी की 227 सीटों में से 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार शिवसेना का समर्थन करते रहे हैं और उन्होंने भाजपा नेताओं को शिंदे की पार्टी पर हमला न करने का निर्देश भी दिया था। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था, "भाजपा और शिवसेना एकजुट हैं। सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। हमें औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा करने की आवश्यकता नहीं है।

जयराम रमेश का दावा, सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंत्री की खोली पोल

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिभाषा को लेकर चल रहे विवाद को स्पष्ट कर दिया है और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के कार्यों का पर्दाफाश कर दिया है। रमेश ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पर्यावरण मंत्री अरावली की पुनर्परिभाषा के मुद्दे पर मुझ पर और राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत पर राजनीति करने का आरोप लगा रहे थे। आज सुप्रीम कोर्ट में यह मामला साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत सरकार द्वारा आगे बढ़ाई जा रही अरावली की पुनर्परिभाषा पर रोक लगा दी है। रमेश ने आरोप लगाया कि

सरकार अरावली के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने पर तुली हुई है, जो दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और विशेष रूप से राजस्थान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है – राजस्थान के उन 19 जिलों के लिए जहां से पर्यावरण मंत्री आते हैं। रमेश ने आगे कहा कि वह सरिस्का अभ्यारण्य में बाघों के महत्वपूर्ण आवास की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने में व्यस्त हैं और अरावली पर वह अशोक गहलोत और मुझ पर राजनीति करने का आरोप लगा रहे थे, और आज सुप्रीम कोर्ट में उनका पर्दाफाश हो गया है। इस बीच, अशोक गहलोत ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें उसने 20 नवंबर के उस फैसले को स्थगित कर दिया था जिसमें उसने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की परिभाषा को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा, "हमें बहुत खुशी है कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज स्थगन आदेश जारी किया है। हम इसका स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि सरकार भी जनता की इच्छा को समझेगी। चारों राज्यों की जनता, और वास्तव में पूरे देश की जनता, इस आंदोलन में शामिल हुई है, सड़कों पर उतरी है, मीडिया को बयान दिए हैं और विभिन्न रूपों में विरोध प्रदर्शन किया है। यह समझ से परे है कि मंत्री जी इसे क्यों नहीं समझ पा रहे हैं।" सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा दी गई परिभाषा को स्वीकार करने के अपने पूर्व निर्णय (जो 20 नवंबर को जारी किया गया था) को स्थगित कर दिया है।

बांग्लादेश हिंसा पर कुमार विश्वास का फूटा गुस्सा: भारत सरकार तुरंत संज्ञान ले

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास ने सोमवार को केंद्र सरकार से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा का गंभीरता से संज्ञान लेने का आह्वान किया और स्थिति को बेहद दुखद बताया। विश्वास ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर विचार कर रही है और उन्होंने इस मामले पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जहां कुछ लोग अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई हत्याओं पर कड़ा विरोध जताते हैं और बिना किसी औचित्य के भारत सरकार को इसमें घसीटने की कोशिश करते हैं, वहीं पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा होने पर वे चुप हो जाते हैं। विश्वास के अनुसार, यह चुप्पी ऐसे लोगों के स्पष्ट दोहरे मापदंड को उजागर करती है। कुमार

विश्वास ने पत्रकारों से कहा कि यह बेहद दुखद घटना है और भारत सरकार को इसका कड़ा संज्ञान लेना चाहिए। सरकार को इस बारे में सोचना भी चाहिए। मैं उन लोगों से निवेदन करना चाहता हूं जो हर घटना पर हद से ज्यादा हंगामा करते हैं – वे वहां अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई हत्याओं को लेकर चिंतित तो हैं, लेकिन किसी न किसी तरह भारत सरकार के हस्तक्षेप को इसमें घसीट लेते हैं, जबकि भारत सरकार का इससे क्या लेना–देना है? लेकिन एक निर्दोष अल्पसंख्यक समुदाय को बेरहमी से जिंदा जला दिया गया, और ऐसे समय में जब लोग बयान नहीं देते, चिंता व्यक्त नहीं करते, तो यह उनके दोहरे मापदंड को उजागर करता है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि पूरी दुनिया इस पर ध्यान देगी। विश्वास की ये टिप्पणियां बांग्लादेश में जारी हिंसा में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास की हालिया हत्याओं के जवाब में आई हैं। इससे पहले 25 दिसंबर को डेली स्टार ने खबर दी थी कि राजबारी के पांगशा उप–जिले के कालीमोहोर संघ के होसेनडांगा गांव में अमृत मंडल नामक एक हिंदू युवक की जबरन वसूली के आरोप में भीड़ द्वारा पीट–पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस को कल रात सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और सम्राट को गंभीर हालत में बचाया।

दिग्विजय सिंह की आरएसएस तारीफ से कांग्रेस में बवाल, राहुल गांधी बोले- आप गलती कर गए!

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन में पार्टी के स्थापना दिवस समारोह के दौरान राहुल गांधी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। उनकी संक्षिप्त बातचीत जल्द ही पार्टी हलकों में चर्चा का विषय बन गई। सूत्रों के अनुसार, जब दोनों नेता एक–दूसरे का अभिवादन कर रहे थे, तब राहुल गांधी ने मजाक में दिग्विजय सिंह से कहा, कल आपने गलती की थी! इस टिप्पणी पर आसपास खड़े लोग, जिनमें वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी भी शामिल थीं, हंस पड़े। यह टिप्पणी बाद में दिन में तब की गई जब औपचारिक समारोह के बाद पार्टी नेता चाय और नाश्ते के लिए एकत्रित हुए थे। दिग्विजय सिंह के सोशल

मीडिया पोस्ट के एक दिन बाद यह हंसी–मजाक का क्षण सामने आया, जिसने कांग्रेस के भीतर बेचैनी पैदा कर दी थी। शनिवार को, कांग्रेस कार्य समिति की बैठक से पहले, सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए आरएसएस–भाजपा संगठन की ताकत की प्रशंसा की। अपने पोस्ट में सिंह ने लिखा, "मुझे यह तस्वीर मिली। यह बहुत प्रभावशाली है। कैसे एक जमीनी स्तर का आरएसएस स्वयंसेवक और जनसंघ व भाजपा कार्यकर्ता, नेताओं के चरणों में बैठकर, एक राज्य का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बन गया। यही है संगठन की शक्ति। जय सिया राम।" इस पोस्ट की पार्टी के भीतर से ही आलोचना हुई। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गांधी के संगठन को गोडसे के संगठन से सबक लेने की जरूरत नहीं है। इसके बाद हुई आलोचना के मद्देनजर दिग्विजय सिंह ने स्पष्ट किया कि वे आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी की विचारधारा का कड़ा विरोध करते हैं और उनकी टिप्पणी केवल संगठनात्मक अनुशासन को स्वीकार करने तक सीमित थी, न कि राजनीतिक विचारों को।

प्रयागराज में माघ मेले को लेकर बड़ी मॉक ड्रिल

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेले की तैयारियों को परखने और किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से सोमवार को प्रयागराज में एक बड़ी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान माघ मेला क्षेत्र से लेकर शहर के प्रमुख इलाकों तक भीड़ प्रबंधन के लिए तैयार किए गए 10 कंटीजेंसी प्लान का रिहर्सल किया गया। मॉक ड्रिल के तहत

शहर और माघ मेला क्षेत्र में 10 अलग–अलग स्थानों को चिन्हित किया गया, जहां संभावित आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए कंटीजेंसी प्लान को लागू कर उसकी प्रभावशीलता जांची गई। रिहर्सल के दौरान कंटीजेंसी प्लान के अनुरूप ट्रैफिक को डायवर्ट और रेगुलेट भी किया गया। माघ मेले के प्रमुख एंट्री प्वाइंट जीटी जवाहर चौराहे पर कंटीजेंसी प्लान के रिहर्सल की कमान डीसीपी सिटी मनीष कुमार शांडिल्य ने संभाली। इस दौरान उनके साथ कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। जीटी जवाहर चौराहे पर हुई रिहर्सल में एमजी मार्ग थाना प्रभारी वैभव सिंह, परेड थाना प्रभारी अतुल सिंह, दारागंज थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्र अपने–अपने थानों की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर मौजूद रहे। उधर माघ मेला क्षेत्र में भी अलग–अलग अधिकारियों के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर कंटीजेंसी प्लान का रिहर्सल किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कुल 10 कंटीजेंसी प्लान तैयार किए गए हैं, जिनमें से कंटीजेंसी प्लान नंबर–1 और नंबर–2 का रिहर्सल माघ मेला क्षेत्र में, जबकि कंटीजेंसी प्लान नंबर–3 का रिहर्सल जीटी जवाहर चौराहे पर कराया गया। कंटीजेंसी प्लान के रिहर्सल के दौरान कमिश्नरेट पुलिस, मेला पुलिस और मेला प्रशासन के तमाम आला अधिकारी माघ मेला प्राधिकरण कार्यालय में बने आई–ट्रिपल–सी (कमांड एंड कंट्रोल सेंटर) में मौजूद रहे। यहां से पूरे अभ्यास की क्लोज मॉनिटरिंग की गई। कंटीजेंसी प्लान एक आपात योजना है, जिसका उपयोग भीड़ प्रबंधन के लिए किया जाता है। यह योजना उन परिस्थितियों में लागू की जाती है जब अचानक अत्यधिक भीड़ पहुंच जाए और सामान्य यातायात व्यवस्था से स्थिति को संभालना संभव न हो। महाकुंभ के दौरान भी कई बार अचानक भीड़ का दबाव बढ़ने पर विभिन्न मार्गों पर कंटीजेंसी प्लान लागू किया गया था, जिसके जरिए आपात हालात में भीड़ को नियंत्रित किया गया। एसपी मेला नीरज पांडेय के मुताबिक मॉक ड्रिल का उद्देश्य माघ मेले के दौरान किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए तैयारी, समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया को परखना है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु आवागमन सुनिश्चित किया जा सके।

अधिकारियों, पुलिसकर्मियों ने मेला क्षेत्र छोड़ा तो कार्रवाई होगी

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेला–2026 की तैयारियां पूरी हो गई हैं। खासकर सुरक्षा इंतजामों को लेकर पुलिस समेत एजेंसियों ने रूपरेखा तैयार की है। अब तक की तैयारियों को परखा भी जाने लगा है। आला अफसर मेला क्षेत्र में तैनात पुलिस अधिकारियों, पुलिसकर्मियों को दिशा निर्देश रहे हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को लेकर सवाल जवाब किए जा रहे हैं। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार समेत अन्य अधिकारी हर रोज मेला क्षेत्र में ही बैठकें कर ब्रीफिंग कर रहे हैं। पुलिसकर्मियों को हिदायत दी जा रही है कि ड्यूटी के दौरान सेवाभाव और मीठी भाषा का प्रयोग करें।

पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने ब्रीफिंग में साफ कहा कि मेला ड्यूटी में लगे कोई अधिकारी, पुलिसकर्मी मेला क्षेत्र कतई नहीं छोड़ेंगे। रिजर्व पुलिस लाइन माघ मेला स्थित तीर्थराज सभागार में तैयारियों के दृष्टिगत पुलिस आयुक्त प्रयागराज जोगेन्द्र कुमार ने कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने–अपने थाना क्षेत्रों में आपातकालीन योजनाओं का नियमित अभ्यास करेंगे तथा फुट पेट्रोलिंग एवं रात्रि गश्त को प्रभावी रूप से संचालित करेंगे। मेला क्षेत्र के ड्यूटी प्वाइंट्स पर पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाने, निरंतर चेकिंग अभियान चलाने एवं पुलिस की विजिबिलिटी बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि आमजन में सुरक्षा की भावना और अधिक सुदृढ़ हो सके। राजपत्रित अधिकारियों को थाना स्तर पर पुलिस बल से अधिक से अधिक संवाद करने, साथ मेस में भोजन करने, मेला ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारी/कर्मचारियों को मेला क्षेत्र न छोड़ने के निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने निर्देशित किया कि माघ मेलादृ2026 का सफल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण आयोजन हम सभी के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण लगन, निष्ठा एवं टीमवर्क के साथ निभाएँगे , माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ सेवा–भाव के साथ मृदु व्यवहार करें। अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डॉ. अजय पाल शर्मा, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल), पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज कुमार पाण्डेय, पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार, पुलिस उपायुक्त यमुनापार विवेक चन्द्र यादव, सहायक पुलिस आयुक्त राजकुमार मीणा, सहायक नोडल पुलिस अधिकारी माघ मेला विजय आनन्द सहित माघ मेला से जुड़े अन्य राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, पीएसी0, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रयागराज पुस्तक मेला का समापन

प्रयागराज (संवाददाता)। कटरा के द पाम्स रिसोर्ट–रॉयल गार्डन में 18 से 28 दिसंबर तक चला 11 दिवसीय प्रयागराज पुस्तक मेला रविवार को संपन्न हुआ। डिजिटल दौर में भी किताबों की दीवानगी साफ नजर आई। जब अंतिम दिन हजारों पुस्तक प्रेमी स्टॉल्स पर उमड़ पड़े। लोगों ने जमकर खरीदारी की। आयोजकों के मुताबिक मेले में करीब 40 लाख रुपए की पुस्तकों की बिक्री हुई। राजकमल, लोकभारती, वाणी प्रकाशन, भारतीय ज्ञानपीठ, रामकृष्ण मठ समेत देशभर के प्रमुख प्रकाशकों के स्टॉल्स ने खूब धूम मचाई। थीम शविजन 2047रू विकसित भारत–विकसित प्रदेशश पर केंद्रित इस मेले ने साहित्यिक चर्चाएं, कवि सम्मेलन, पुस्तक विमोचन और बच्चों की निबंध प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों से ज्ञान का आदान–प्रदान किया। आयोजक मनोज सिंह चंदेल ने कहा कि ई–बुक्स के जमाने में भी मुद्रित किताबों पर पाठकों का भरोसा अटल है। सह–आयोजक मनीष गर्ग ने बताया कि प्रयागराज के अलावा आसपास के जिलों से भी भारी भीड़ रही।

शराब पिलाकर चोर से जुर्म कबूल करवाया

प्रयागराज में 3 साल पुरानी चोरी का राज खुला, जमीन खोद सामान निकाला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में चोरी की वारदात को अंजाम देने के तीन साल बाद आरोपियों ने जुर्म कबूल कर लिया। दरअसल, कटाता जलालपुर गांव में 2 साल से चोरी की वारदातें हो रही थीं। पुलिस के पास मामला पहुंचने के बाद भी आरोपियों को सजा नहीं हुई तो गांव वालों ने प्लान बनाया।

लोगों को गांव के ही कुछ लोगों पर शक था। उन्होंने उन लोगों को मुर्गा और दारू पार्टी में बुलाया। उन्हें खूब शराब पिलाई। इसके बाद उनसे पूछताछ की। इस दौरान नशे में धुत एक युवक ने सब कुछ कबूल लिया। इसके साथ उसने अपने साथी चोरों की भी पोल खोल दी।

चोर लोगों को उस जगह पर भी ले गया, जहां उन लोगों ने चोरी का सामान जमीन के नीचे दबा दिया था। लोगों ने जमीन खोदकर चोरी का सामान बरामद किया। इस दौरान चोर वहां से भाग निकले। लोगों ने वीडियो पुलिस को सौंप दिया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

प्रयागराज के मऊआइमा थाना क्षेत्र के कटाता जलालपुर गांव में राम सजीवन पटेल रहते हैं। उनके यहां 20 जनवरी 2023 को चोरी हुई। चोर पानी की मोटर, सबमर्सिबल मशीन ले गए। राम सजीवन ने 21 जनवरी 2023 पुलिस का तहरीर दी। गांव के ही रामजस, उसके बेटे शंकर लाल पटेल और धर्मेंद्र पटेल पर चोरी के आरोप लगे।

पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ की, लेकिन उन्होंने जुर्म नहीं कबूला, न ही कोई सबूत मिला। ऐसे में पुलिस ने शांतिभंग में उनका चालान कर दिया। इसके बाद भी गांव में चोरियां होती रहीं। गांव के तहसीलदार पटेल, इंद्रपाल पटेल समेत अन्य लोगों के घर चोरियां हुईं, लेकिन कोई पकड़ा नहीं गया।

राम सजीवन के परिवार वालों को शक था कि चोरी रामजस ने ही करवाई है। ऐसे में जिन–जिन युवकों पर शक था, उन्हें पकड़ने की योजना बनाई। 17 दिसंबर 2025 को युवकों ने शराब पार्टी रखी। खेत में इंतजाम हुआ। रामजस को दारू पार्टी में बुलाया गया।

योजना के तहत रामजस को जमकर दारू पिलाई गई। अंत तक रामजस नशे में धुत हो गया और बड़बड़ाने लगा। इसके बाद जब लोगों ने उससे चोरी के बारे में पूछा तो उसने खुलकर सारे जुर्म कबूल लिए।

रामजस ने खुलासा किया कि चोरी की वारदात में कौन–कौन शामिल था। चोरी का सामान वो कहां छिपाता था। इसके बाद वह लोगों को उस जगह ले गया, जहां उसने चोरी का सामान छिपाया था। उसने रामसजीवन की मोटर जमीन खोदकर निकाली।

2 साल बाद तक मोटर बिकी क्यों नहीं, इस पर रामजस ने बताया कि जिस रात चोरी की थी उस रात भी खूब नशे में था। इसे छिपाकर वो भूल गया। बाद में और चोरियों का सामान बेचते रहे, लेकिन इस जगह की याद नहीं आई। आज अचानक उसे वह जगह याद आ गई।

लोगों ने चोरी के कबूलनामे, सामान बरामदगी के दौरान का वीडियो बनाया। चूंकि, सभी नशे में थे, इसलिए तुरंत न जाकर अगले दिन मऊआइमा पुलिस को जानकारी दी गई। हालांकि, तब तक आरोपी फरार होने में कामयाब हो गए। पुलिस उन युवकों के घर छापेमारी कर रही है। आरोपी रामजस समेत अन्य लोग घरों से भाग गए हैं।

मेला अधिकारी की गाड़ी के सामने लेट गए संत

प्रयागराज में माघ मेले में जमीन और सुविधा न मिलने से नाराज, संतों ने किया जमकर प्रदर्शन।

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के मेला प्राधिकरण के बाहर आज सोमवार को दोपहर में फिर संतों का प्रदर्शन फिर शुरू हो गया है। जमीन आवंटन में सुविधा न मिलने के कारण नाराज संत धरने पर बैठ गए हैं। काफी संख्या में साधु संत मेला कार्यालय पहुंचे थे।वह माघ मेले में जमीन व सुविधा न मिलने से नाराज थे।

वह मेलाधिकारी कार्यालय के बाहर पहले धरना प्रदर्शन कर रहे थे। इसी बीच मेलाधिकारी ऋषि राज अपने चेंबर से निकलकर अपने गाड़ी में बैठने जा रहे थे। वह कहीं निकलने जा रहे थे। इसके बाद प्रदर्शन कर रहे संत उनके पीछे पीछे दौड़ते हुए बढ़े, उनसे वार्ता करना चाह रहे थे, लेकिन मेलाधिकारी अपनी गाड़ी में बैठ गए।

इसके बाद एक संत उनकी गाड़ी के नीचे जमीन पर लेट गया। और भी संत जो वहां मौजूद थे, वह भी सामने आ गए। इसके बाद मेला अधिकारी ऋषि राज को अपनी गाड़ी से उतरना पड़ा और उन्हें वार्ता के लिए अंदर ले जाना पड़ा। करीब 2 घंटे तक यहां प्रदर्शन चलता रहा।

बता दें कि मेला प्राधिकरण के अफसरों ने स्पष्ट कर दिया गया है कि जमीन आवंटन का कार्य पूरा हो चुका है। जबकि हकीकत यह है कि विभिन्न संस्थाओं के लोग व साधु संत अभी भी जमीन व सुविधा के लिए मेला प्राधिकरण कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं।

एक संस्था से जुड़े संत को पुलिस के इंस्पेक्टर ने धमकी दी। संत ने कहा, पुलिस इंस्पेक्टर ने कहा– 364 दिन हमारा बाकी एक दिन आपका। संत ने कहा, इंस्पेक्टर ने धमकी दी है। वहीं, वृंदावन से एक संत गोपाल नंद गिरि महराज ने कहा, इतने दिनों से जमीन व सुविधा के लिए यहां चक्कर लगा रहा हूं। लेकिन अभी तक जमीन मिली न सुविधा। उन्होंने कहा, जब तक जमीन और सुविधा नहीं मिल जाती है तब तक वहां से जाएंगी नहीं।

प्रयागराज में जमीन के विवाद में मां–बेटी की पिटाई...

कपड़े फाड़े, पटककर लात–घूंसे मारे, महिला बोली– पुलिस नहीं दर्ज कर रही एफआईआर।

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में जमीन के विवाद में महिला और उसकी बेटियों को दबंगों ने जमकर पीटा। गिराकर लात–घूंसे मारे। पीड़ित महिला ने कहा– आरोपियों ने मेरे बेटियों के कपड़े भी फाड़ दिए। साथ ही धमकी दी कि अगर शिकायत की तो जान से मार देंगे। पीड़ित का कहना है कि पुलिस चौकी पर शिकायत के बाद भी थ्प्त दर्ज नहीं की जा रही है।

घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र की है। अब पिटाई का वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि 3 से 4 पुरुष एक महिला को जमीन पर गिराकर लात–घूंसे मारते हैं। इस दौरान उसे बचाने आई बेटियों को भी पीटते हैं। पीड़ित महिला ने बताया– मैं अपनी बेटियों के साथ नवाबगंज के गनीपुर मेडारा गांव में रहती हूं। मेरे पति नहीं है। उनका निधन 2007 में हो गया था। पड़ोसियों ने मेरे जमीन पर अवैध रूप से बोरिंग लगा रखी है। घर में पुरुष सदस्य के नहीं होने पर पड़ोसी हमारी जमीन हड़पना चाहते हैं। 25 दिसंबर को पड़ोसी अपने परिवार के लोगों के साथ पहुंच गए और घर में गाली–गलौज की। साथ जबरन घर के बाहर बुलाया। मेरी बेटियां घर से बाहर निकलीं तो उनके साथ पड़ोसियों ने मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद खेत की ओर हम लोगों को खींच कर ले गए। महिला ने बताया– मुझे और मेरी बेटियों को दबंगों ने लात–घूंसे मारे। हम लोगों के कपड़े भी फाड़ दिए। बेटियों के साथ जबरदस्ती की भी कोशिश की। महिला का कहना है कि घटना के दिन ही वह मंसूराबाद चौकी पहुंची थी और थ्प्त दर्ज कराने का अनुरोध किया, लेकिन चौकी प्रभारी ने मेरी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। अगले दिन दोबारा चौकी पहुंचने पर भी मामला दर्ज नहीं किया गया। उधर पीड़िता व उसके परिवार ने सोमवार को नवाबगंज थाना पहुंचकर तहरीर दी।

फाफामऊ के सेरावा में सड़क निर्माण अधूरा

प्रयागराज (संवाददाता)। फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र के सेरावा ग्राम पंचायत में एक महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। सेरावा गेट से शिव चंद्र मौर्य के घर तक प्रस्तावित इंटरलॉकिंग मार्ग का लगभग 100 मीटर हिस्सा नहीं बन पाया है, जिससे ग्रामीण परेशान हैं। यह मार्ग पहले से ही खराब स्थिति में था। ठेकेदार द्वारा लल्लू चौरसिया के घर तक इंटरलॉकिंग का कार्य किया गया, लेकिन उसके आगे शिव चंद्र मौर्य के घर तक का लगभग 100 मीटर का हिस्सा छोड़ दिया गया। इस अधूरे काम के कारण रास्ता बेहद खराब हो गया है। ग्रामीणों ने अपनी समस्या को लेकर युवा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार को बुलाया। संजय कुमार ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की शिकायतें सुनीं और स्थिति का जायजा लिया।

युवकों के बाद दरोगा ने बना डाली रील

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के नाम पर भौकाली रील बनने के बाद इससे जुड़ी रील चर्चा में आ गई है। पहले युवकों ने रील बनाई तो पुलिस ने गिरफ्तारी की। फिर दरोगा जी का भी मन नहीं माना तो वह भी उसी जगह वर्दी में रील बनाने पहुंच गए। कार्यवाई के जोश में दरोगा ने उसी रोड पर उसी जगह बिना हेलमेट के बुलेट से एंट्री मारते हुए रील बनाई जिस जगह युवकों ने रील बनाई थी। हीरो की तरह गाड़ी सीज करते खुद भी एक्टिंग की और लड़कों को भी एक्टिंग करवा डाली और मुठभेड़ का फर्जी वीडियो तैयार किया जिसमें आरोपी

युवक लंगड़ाने का नाटक करते नजर आए। स्क्रिप्टेड रील, कार्रवाई का वीडियो दरोगा जी ने सोशल मीडिया पर खुद ही पोस्ट कर डाला। यह अकाउंट थानेदार नाम से बना है। जिसमें विकास सिंह के नाम लिखा हुआ है। इस रील में दरोगा ने पहले युवकों का स्टंट करने का विडियो लगाया है उसके बाद उसी स्थान पर बुलेट से बिना हेलमेट के एंट्री मारते हुए आते हैं जिसके बाद तीनों गाड़ियों को सीज करने का विडियो बनाते है और युवकों से एक्टिंग करवाते हुए लंगड़ाने का विडियो बनवाते है। जिसमें दरोगा एक दम हीरो की तरह किरदार निभा रहे हैं और रील बना रहे हैं। यह रील दरोगा ने खुद अपने अकाउंट से अपलोड की है। रील पर लाइक और व्यू पाने का बुखार समझे या हेरोगिरी यह शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है लोगों का कहना है की एक तरफ रील बनाने की कार्यवाई हो रही दूसरी तरफ दरोगा खुद रील बना कर लाइक और व्यू बटोरने में जुटे हैं। जिसपर यूजर्स की तरह–तरह की प्रतिक्रियाएं आने लगी है। कुछ यूजर ने हेलमेट पर सवाल किया, तो कुछ ने बुलेट वाली एंट्री की सराहना की और कुछ ने अवार्ड देने की बात कह डाली। वीडियो में पुलिस की गिरफ्त में 4 आरोपियों को लंगड़ाते हुए दिखाया गया। जबकि आरोपियों के साथ कोई पुलिस मुठभेड़ नहीं हुई थी। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया था जिसके बाद दरोगा ने एक अलग से अपने अंदाज में रील बना डाली है। इसे देखकर यूजर्स ने इसे फेक एनकाउंटर दिखाने वाला वीडियो बताया। धीरे–धीरे मामला चर्चाओं में आया और पुलिस कमिश्नर तक बात पहुंची। वीडियो देखकर पुलिस कमिश्नर ने भी इस पर सवाल उठाया। कमिश्नर ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। कहा– वीडियो किसने बनवाया, वायरल किसने किया, इसकी रिपोर्ट दें। चारों आरोपी रील बनाने के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए थे। शुक्रवार को इनका वीडियो रिकॉर्ड किया गया। मामला एयरपोर्ट थाना क्षेत्र का है। आरोपियों ने माफिया अतीक के डायलॉग पर इंस्टाग्राम रील बनाई थी कुछ युवकों ने माफिया अतीक अहमद के डायलॉग पर इंस्टाग्राम त्म्स बनाई थी। 'माफिया मतलब गद्दी' और 'गद्दी मतलब माफिया' जैसे डायलॉग के साथ भद्दी–भद्दी गालियां दीं थी। वीडियो में एक युवक फॉरच्यूनर कार चला रहा था। इस दौरान 2 युवक चलती कार की छत पर बैठे थे, जबकि एक गेट पर लटका हुआ था।

छात्रनेताओं पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन

प्रयागराज (संवाददाता)। विगत दिनों इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दो छात्र नेताओं सत्यम कुशवाहा और जितेंद्र धनराज पर गुंडा एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए पुलिस आयुक्त ने जिला बदर

कर दिया था और कई अन्य छात्रनेताओं को भी गुंडा एक्ट की नोटिस जारी की गई है। इससे नाराज आज इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रनेताओं और छात्रों ने छात्र संघ भवन से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। छात्रनेताओं पर हुई इस दमनात्मक कार्यवाही पर अपना विरोध जताया और इसे निरस्त करने के लिए जिला प्रशासन को ज्ञापन दिया। छात्रनेता प्रियांशु विद्रोही ने कहा कि अगर छात्रों के ऊपर इसी तरह की दमनात्मक कार्यवाही होती रही तो वो दिन दूर नहीं जब छात्रों का आक्रोश इस सरकार का सिंहासन हिलाने का काम करेगा। आज के इस पैदल मार्च और ज्ञापन के कार्यक्रम में छात्रनेता हरिकेश हैरी, राहुल पटेल, हरेंद्र यादव, अजय पाण्डेय बागी, अनुराग यादव , आदित्य सिंह, सुधीर विद्रोही, अमित विपक्षी, आलोक, सोनाली, भानू, शशांक, संजय, निधि, सौम्या, सद्दाम समेत बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

हंडिया में हाथी दिलाने के नाम पर ठगी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के हंडिया क्षेत्र के बिलारी गांव में एक बुजुर्ग से हाथी दिलाने के नाम पर 35 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित रामराज हाथी वाले ने आरोप लगाया है कि उन्हें न तो हाथी मिला है और न ही उनके पैसे वापस किए गए हैं। यह घटना 2021 से संबंधित है। रामराज के अनुसार, उनके भतीजे ने भदोही निवासी राजधर पुत्र शंभू नाथ ओझा से हाथी खरीदने के लिए बातचीत की थी। दोनों पक्षों के बीच 35 लाख रुपए में सौदा तय हुआ था। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने अपने भतीजे के माध्यम से कुल 22 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए थे। इसके अतिरिक्त, 1 लाख 20 हजार रुपए नकद भी दिए गए थे। पैसे लेने के बाद बिचौलिए ने तीन महीने के भीतर हाथी उपलब्ध कराने का वादा किया था। दो साल बीत जाने के बाद भी रामराज को न तो हाथी मिला है और न ही उनके पैसे वापस किए गए हैं। उनका आरोप है कि पैसे मांगने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी मिल रही है। इस संबंध में पीड़ित ने हंडिया थाना सहित उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायत दी है। पुलिस इस मामले की जांच–पड़ताल कर रही है। पीड़ित ने आज शिकायत कार्यवाही की मांग की है।

प्रयागराज के बारा में आदेशों की अनदेखी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के बारा क्षेत्र में सोमवार को सरकारी आदेशों को ताक पर रखकर कई विद्यालय संचालकों ने लापरवाही की सारी हदें पार कर दीं। भीषण ठंड और ठिठुरन के बावजूद एक दर्जन से अधिक विद्यालय खुले मिले, जहां छोटे–छोटे मासूम बच्चे ठंड से कांपते हुए स्कूल पहुंचने को मजबूर दिखे। प्रशासन की ओर से ठंड को देखते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे, इसके बावजूद स्कूल खोलना न सिर्फ नियमों की अवहेलना है, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन के साथ सीधा खिलवाड़ भी माना जा रहा है।

संक्षिप्त

170 भेड़ों की मौत, दर्जनों की हालत नाजुक, राष्ट्र प्रेरणा स्थल में खाया फेंका हुआ खाना

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में एक साथ 170 भेड़ों की मौत हो गई। इसके साथ ही दर्जनों भेड़ों की हालत नाजुक बनी हुई है। ये भेड़ें राष्ट्र प्रेरणा स्थल के पास चर रही थीं। बताया जा रहा है कि स्थल के उद्घाटन समारोह के बाद बचा हुआ खाना फेंक दिया गया था। उसे ही भेड़ों ने खा लिया जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी। रविवार शाम राष्ट्र प्रेरणा स्थल के पास चरते समय भेड़ों ने जब फेंका हुआ खाना खाया तो थोड़ी ही देर में वे चिल्लाने लगीं। धीरे–धीरे कर बेहोश होती गईं। सुबह तक में 170 भेड़ें मर गईं। इनके शरीर अकड़ चुके हैं। सुबह जब पूरे इलाके में शोर हुआ तो पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने सरकारी मेडिकल टीम को बुला लिया। ये सभी भेड़ें चार चरवाहों की थीं। ये लोग फतेहपुर से कुछ दिन पहले यहां भेड़ चराने आए थे। भेड़ पालने वाले प्रदीप कुमार, विजय पाल, अजय पाल, शिवरतन ने बताया कि हमारी भेड़ों की रात में तबीयत खराब होनी शुरू हो गई। हमने देसी दवाई भी खिलाने की कोशिश की लेकिन कुछ काम नहीं आया। सुबह होने तक 170 भेड़ें मर गईं। हेल्पिंग हैंड एनजीओ की अध्यक्ष चारु ने बताया कि प्रेरणा स्थल के उद्घाटन के दिन वहां पर जो लंच बॉक्स बंटा था, उसके बच्चे हुए खाने को खाकर भेड़ बीमार हो गईं। उन्हें फूड प्वाइजनिंग हो गई। प्रेरणा स्थल के आसपास बड़ी संख्या में भेड़ों की मौत हो गई है। काफी भेड़ें बीमार हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा मौके पर पहुंचकर इस चीज का विरोध किया जा रहा है जिस दिन प्रेरणा स्थल का उद्घाटन हुआ उसके बाद यहां साफ–सफाई नहीं हुई। फेंके हुए भोजन को खाने की वजह से इन भेड़ों की मौत हुई है। नगर निगम समेत जिला प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

लव जिहादियों की एक दवाई, जूता-चप्पल और पिटाई

केजीएमयू में विश्व हिंदू संगठन–बजरंग दल का प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। केजीएमयू में लव जिहाद और धर्मांतरण के मामले को लेकर आज विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने लव जिहादियों को फांसी दो, फांसी दो। लव जिहादी की एक दवाई, जूता–चप्पल और पिटाई। कुलपति से मुलाकात कर अपनी 6 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया गया है कि सैयद अख्तर अब्बास नामक व्यक्ति, जिन पर पहले से कई आरोप बताए जा रहे हैं, उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी केजीएमयू में जिम्मेदारी दी गई। प्रदर्शनकारियों ने इसे अनुचित बताते हुए तत्काल कुलपति के ओएसडी पद से हटाने और उनकी नियुक्ति व आरोपों की जांच किसी स्वतंत्र सरकारी संस्था से कराने की मांग की। दोषी पाए जाने पर रिकवरी और कार्रवाई की भी बात कही गई है। विश्व हिन्दू परिषद ने केजीएमयू प्रशासन द्वारा गठित फैक्ट फाइंडिंग कमेटी पर भी सवाल उठाए हैं। संगठन का कहना है कि ऐसे गंभीर मामलों की निष्पक्ष जांच विश्वविद्यालय स्तर पर संभव नहीं है। इसलिए मांग की गई है कि इस कमेटी को भंग कर मामले की जांच एसटीएफ या किसी अन्य उपयुक्त स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए। ज्ञापन में केजीएमयू के कुछ डॉक्टरों और प्रोफेसरों पर महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में संलिप्तता के आरोपों का भी जिक्र किया गया है। संगठन ने कहा है कि ऐसे मामलों की जांच के लिए विश्वविद्यालय से बाहर की समिति बनाई जाए, जिसमें महिला आयोग की सदस्य, सेवानिवृत्त आईएएस/आईपीएस और सेवानिवृत्त न्यायाधीश शामिल हों। प्रदर्शनकारियों ने आउटसोर्सिंग के जरिए हो रही नियुक्तियों पर भी सवाल खड़े किए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि किसी विशेष वर्ग को लाभ तो नहीं दिया जा रहा, इसकी जांच किसी बाहरी राज्य या केंद्र सरकार की संस्था से कराई जाए। अंत में चेतावनी दी है कि यदि इन मांगों पर शीघ्र और उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन को व्यापक आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री समरेंद्र सिंह ने बताया कि आज हम बुद्धि शुद्धि यज्ञ और कुलपति का पुतला फूंकने आए थे। कुलपति ने हमारी बात सुनी। हमारी दो मांगों को मान दिया। अन्य मांगों के लिए शासन को पत्र लिखने का आश्वासन दिया।

ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने दी जान

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार इलाके में युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। सोमवार सुबह दोस्त के झगड़े के बाद युवक भाई को फोन करके रेलवे ट्रैक पर पहुंचा और ट्रेन के आगे कूद गया। वहां मौजूद लोगों ने लोहिया अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। एसटीपी चौराहा भेसुरा बीबीडी निवासी नितेश मिश्रा 26 पुत्र अंजनी प्रसाद की ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई। नितेश अपने भाई मुकेश मिश्रा की खरगापुर स्थित 99 स्टोर में साथ में काम करता था। भाई मुकेश ने बताया सोमवार सुबह नितेश का कॉल आया। उसने अनमोल के साथ झगड़ा और मारपीट की जानकारी दी। इस पर उसे घर आने के लिए कहा लेकिन नहीं आया। कुछ देर बाद हुसड़िया क्रॉसिंग शहीद पथ के नीचे ट्रेन के आगे कूदने की सूचना मिली। जहां मौजूद लोगों ने पुलिस की मदद से उसे लोहिया अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। भाई के मुताबिक वहां मौजूद लोगों ने बताया नितेश अपनी स्प्लेंडर बाइक से क्रॉसिंग पर पहुंचा। इसके बाद गाड़ी की टंकी खोलकर उसमें आग लगाने का प्रयास करने लगा। जब उसे रोका गया तो बगल से गुजर रही ट्रेन के आगे कूद गया। मामले में इंस्पेक्टर गोमती नगर विस्तार सुधीर अवस्थी का कहना है पिता की तहरीर पर मामले की जांच की जा रही है।

मलिहाबाद में भ्रष्टाचार और पुलिस-प्रधान गठजोड़ के खिलाफ किसान यूनियन का बिगुल

लखनऊ, संवाददाता। मलिहाबाद की फल पट्टी को अवैध प्लॉट पट्टी में बदलने की यह दास्तान अब सिर्फ अवैध प्लॉटिंग तक सीमित नहीं रही है। यह सरकारी तंत्र और खाकी के बीच पनपे एक विषैले गठजोड़ की कहानी बन गई है, जिसने किसानों का जीना मुहाल कर दिया है। आरोप है कि ग्राम पंचायत जिन्दौर भ्रष्टाचार का आदर्श मॉडल बन गया है, जहाँ ग्राम प्रधान की दबंगई को चौकी इंचार्ज जैदी का खुला संरक्षण प्राप्त है। इस युगलबंदी पर खुलेआम किसानों की जमीन पर डाका डालने और सरकारी योजनाओं का मजाक उड़ाने का गंभीर आरोप है।

अग्रवाल युवा मंडल प्रयागराज द्वारा छठा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न

सैकड़ों युवाओं में उत्साह, समाजसेवा का सशक्त संदेश

प्रयागराज। अग्रवाल युवा मंडल प्रयागराज द्वारा आयोजित छठा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आज अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समाजसेवा, मानवता और युवाशक्ति की सहभागिता का यह प्रेरक आयोजन शहर भर में सराहा गया। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं एवं वरिष्ठ सदस्यों ने सहभागिता कर रक्तदान किया और आयोजन को उल्लेखनीय सफलता दिलाई।

शिविर में अंकित अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, अनुपम अग्रवाल, जयंती अग्रवाल एवं यश जैन सहित अनेक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। रक्तदाताओं ने कहा कि रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन की रक्षा का संकल्प है।

कार्यक्रम में श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज प्रयागराज के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें महामंत्री अभिषेक मित्तल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, हरीशचंद्र अग्रवाल एवं अनुप अग्रवाल शामिल रहे। सभी पदाधिकारियों ने आयोजन स्थल पर पहुँचकर युवाओं का उत्साहवर्धन किया और इस मानवतापूर्ण पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

अग्रवाल युवा मंडल की ओर से अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल एवं महामंत्री वैभव गोयल के साथ अंकित अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, सीए सचिन अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल एवं तुषार गुप्ता की सक्रिय सहभागिता आयोजन की सफलता का आधार बनी। सदस्यों ने प्रबंधन, पंजीकरण, व्यवस्था एवं रक्तदाताओं के मार्गदर्शन जैसे दायित्वों का समर्पण भाव से निर्वहन किया।

शिविर की सफलता पर उपस्थित अतिथियों, पदाधिकारियों एवं युवाओं ने एक–दूसरे को बधाई दी। अग्रवाल युवा मंडल ने यह भी घोषणा की कि समाजहित में ऐसे सेवाभावी कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे, ताकि समय पर रक्त उपलब्ध हो सके और जनसेवा की भावना और सुदृढ़ हो।

फिका, प्रयागराज में सिद्धार्थ भार्गव के साथ संगीत से सजी एक यादगार शाम

प्रयागराज। प्रयागराज के सांस्कृतिक कैलेंडर में एक खास अध्याय जुड़ गया, जब शहर के लोकप्रिय फाइन–डाइनिंग डेस्टिनेशन फिका ने खुद को एक आत्मीय लाइव म्यूजिक स्पेस में बदल लिया। सुरों, यादों और युवा ऊर्जा से भरी यह शाम सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मौलिक संगीत और साझा अनुभवों का उत्सव बन गई, जिसने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

इस संगीतमय शाम के केंद्र में रहे उभरते हुए सिंगर–सॉन्गराइटर सिडबी (सिद्धार्थ भार्गव), जिन्होंने अपनी प्रस्तुति से कलाकार और कथावाचक के बीच की दूरी को सहजता से मिटा दिया। उनका एकॉस्टिक सेट बेहद निजी होने के साथ–साथ प्रभावशाली भी था। अपनी जेब में रख, पीछे मुड़के और धागे जैसे उनके ओरिजिनल गानों ने जिंदगी, आत्मचिंतन और भावनात्मक मजबूती की कहानियों को खूबसूरती से पिरोया। हर गीत ने श्रोताओं के दिल को छुआ और माहौल को भावनाओं से भर दिया।

शाम का मूड तब और भी खुशनुमा हो गया, जब सिडबी ने दोस्त गाना पेश किया। मुस्कान, ठहाकों और स्वतः होने वाले सिंग–अलॉन्ग्स ने इस प्रस्तुति को एक सामूहिक अनुभव में बदल दिया। इसके अलावा, दिवंगत गायक केके को दी गई उनकी भावपूर्ण श्रद्धांजलि और कुछ खूबसूरत मेडलीज ने दर्शकों को पुराने और प्रिय गीतों की यादों में खो जाने पर मजबूर कर दिया।

परंपराओं से समृद्ध लेकिन आधुनिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को अपनाने की ओर बढ़ रहे प्रयागराज के लिए यह शाम खास मायने रखती थी। एक फाइन–डाइनिंग रेस्टोरेंट का लाइव ओरिजिनल म्यूजिक का मंच बनना इस बात का संकेत था कि शहर की कला और संगीत के प्रति रुचि लगातार नए आयाम छू रही है।

इस शाम को और भी खास बना दिया यह तथ्य कि सिद्धार्थ भार्गव सेंट जोसेफ्स कॉलेज, प्रयागराज के पूर्व छात्र हैं और वर्तमान में मुंबई में कार्यरत हैं। अपने ही शहर में उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों के भीतर गर्व और अपनापन दोनों की भावना जगा दी।

यदि यह कार्यक्रम कोई संकेत है, तो यह साफ है कि प्रयागराज की शामें अब और भी संगीतमय होने जा रही हैं और फिका तेजी से उस जगह के रूप में उभर रहा है, जहाँ बेहतरीन भोजन के साथ शानदार लाइव संगीत का अनुभव मिलता है।

गाड़ी छूने पर लोग भगा देते थे, आज उसी कार में बैठकर शोरूम पहुंचे फुटपाथ के मासूम

प्रयागराज। ससाहब! जब भी हम किसी की बड़ी गाड़ी को हाथ लगाते थे, तो लोग हमें डांटकर भगा देते थे। आज पहली बार हम कार के अंदर बैठे हैं, बहुत अच्छा लग रहा है। यह शब्द उन मासूमों के थे जिनके लिए एक कार में बैठना किसी सपने जैसा था, लेकिन मदद फाउंडेशन ने न केवल उनका यह सपना पूरा किया, बल्कि उनके नंगे पांवों को ठंड से राहत भी दिलाई।

कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बीच रविवार को जब शहर रजाई में दुबका था, तब श्मदद फाउंडेशनश की टीम अपनी 178वीं श्रविवार की रसोईश के जरिए फुटपाथ पर रहने वालों की भूख मिटा रही थी। इस दौरान फाउंडेशन की राष्ट्रीय महासचिव अमृता तिवारी की नजर उन छोटे बच्चों पर पड़ी, जो सुन्न कर देने वाली ठंड में भी नंगे पैर जमीन पर चल रहे थे।

संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी और अमृता तिवारी ने बिना समय गंवाए बच्चों को अपनी गाड़ी में बैठाया। जो बच्चे कल तक लग्जरी कारों को सिर्फ दूर से देखते थे, वे आज उसी में बैठकर शहर के एक बड़े फुटवियर शोरूम पहुंचे। वहां किसी स्पेशल गेस्ट की तरह बच्चों ने खुद अपनी पसंद के जूते और चप्पलों का चुनाव किया। नए जूतों की चमक बच्चों की आंखों में साफ देखी जा सकती थी।

फाउंडेशन के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी ने बताया कि समाज के इस तबके को केवल रोटी और कपड़े की ही नहीं, बल्कि सम्मान और प्यार की भी जरूरत है। बच्चों का गाड़ी में बैठने का उत्साह यह बताता है कि छोटी–छोटी खुशियां उनके लिए कितनी बड़ी बात हैं।

इस पुनीत कार्य में जिलाध्यक्ष प्रयागराज अरविंद पांडेय, जिलाध्यक्ष प्रयागराज गंगापार आदर्श पाठक, वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र पाल और पुनीत श्रीवास्तव सहित पूरी टीम ने अपना सहयोग दिया। बच्चों के माता–पिता ने फाउंडेशन को अपनी दुआएं देते हुए कहा कि जो उनके अपने नहीं कर सके, वह इस संस्था ने कर दिखाया।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की संपन्न हुई काव्य गोष्ठी

प्रयागराज। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच पूर्वी उत्तर प्रदेश इकाई की एक काव्य गोष्ठी आज संजय सक्सेना, रचना सक्सेना के आवास अलोपीबाग में हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने माँ सरस्वती को दीप प्रज्ज्वलित और पुष्प अर्पित करके किया। इसके बाद रचना सक्सेना एवं सरिता मिश्रा ने सरस्वती वंदना करके कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत किया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला, मुख्य अतिथि जया मोहन श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि ज्योतिमर्यी श्रीवास्तव एवं प्रो. रवि कुमार मिश्रा रहें।

इस काव्य गोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले कवियों में उमेश श्रीवास्तव, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, रचना सक्सेना, राजेश सिंह राज, संजय सक्सेना, केपी गिरी, ईश्वर शरण, शरत चंद्र श्रीवास्तव, रवि कुमार मिश्रा, शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला,गंगा प्रसाद त्रिपाठी, केशव सक्सेना,अभिषेक केसरवानी और इंदु जमदग्निपुरी ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन सप्रसंग व तमाम उक्तियों से भरे संवादों से उमेश श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राकेश मालवीय ने किया।

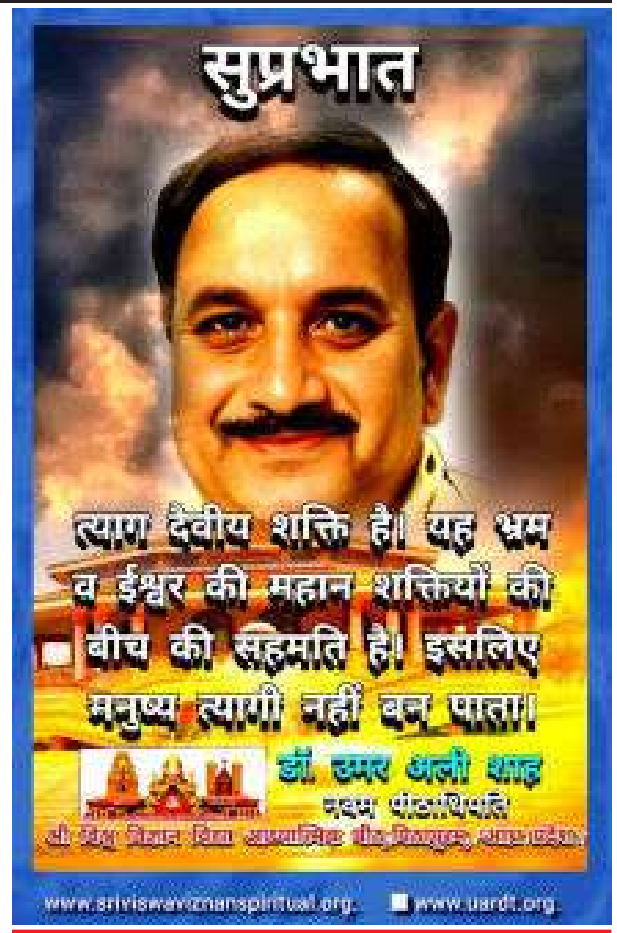

कार्नेशन का फूल

कागज जैसी पंखुड़ी, खुशबू लौंग समान।
'कार्नेशनश के फूल की, है पावन पहचान।
है पावन पहचान, सजावट में उपयोगी।
पीला लाल सफेद, साथ में रंग गुलाबी।
सुन लो कहें प्रदीप, बात बिलकुल है जायज।
है औषधि भंडार, लगे चाहे यह कागज।।

आकर्षक इतिहास है, मध्य पूर्व का मूल।
कहते हैं जिसको सभी, 'कार्नेशनश का फूल।
'कार्नेशनश का फूल, शब्द लैटिन से आया।
पंखुड़ियों में रंग, गुलाबी पहला पाया।
सुन लो कहें प्रदीप, प्रेम का बना प्रदर्शक।
महकाकर संसार, रंग भरता आकर्षक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की दिसम्बर माह की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की दिसंबर महीने की महिला काव्य गोष्ठी शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी की अध्यक्षता में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि मंजू धूत एवं विशिष्ट अतिथि राधा बिनानी रही।

मां शारदे की मूर्ति स्थापना ,दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण रंजना बिनानी द्वारा किया गया। तत्पश्चात मां सरस्वती की वंदना मीना नागोरी द्वारा प्रस्तुत की गई । तत्पश्चात सभी ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया।

प्रस्तुति देने वाली बहनों में मीना नागोरी,रंजना बिनानी काव्या, सीमा सिंधी, पूनम अग्रवाल ,भगवती बिहानी,एवं सरला बजाज ने स्वैच्छिक विषय पर अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया । प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सरला बजाज जी द्वारा किया गया,धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

साहित्यिक संस्था वैचारिकी की काव्य गोष्ठी संपन्न

प्रयागराज। शहर की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था वैचारिकी के तत्वाधान में डॉ अरविंद मिश्र के संयोजन में अल्लापुर में काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता कर रहे शिवराम उपाध्याय मुकुल जी की वाणी वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रो रामकिशोर शर्मा मुख्य अतिथि, शंभु नाथ श्रीवास्तव और तलब जौनपुरी विशिष्ट अतिथि रहे। उमेश श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस गोष्ठी में दया शंकर पांडेय संजय सक्सेना, रचना सक्सेना, सरिता मिश्रा, अभिषेक केशरवानी, राकेश मालवीय, विवेक सत्यांशु, शिवराम गुप्त, के पी गिरी, आदि ने काव्य पाठ किया। रवि कुमार मिश्र ने वैचारिकी के इतिहास और आगामी योजना की रूप रेखा प्रस्तुत की।

सम्पादकीय........

सरसों का संकट

एक समय था जब पंजाब के ग्रामीण अंचलों में खिले हुए सरसों के खेत मौसमी बयार में बदलाव के प्रतीक हुआ करते थे। तमाम सांस्कृतिक प्रतिमानों में पीले सरसों के खेतों को मौसम के गौरव के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। लेकिन वक्त की विडंबना है कि यह अब यह सुनहरी फसल सिमटती नजर आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज देश में हम खाद्य तेलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि भारत लगातार आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। निश्चय ही यह स्थिति व्यवस्था के कई विरोधाभासों को भी उजागर कर रही है। यह तथ्य चौंकाता है कि पंजाब में सरसों के उत्पादन में इसलिए गिरावट नहीं आ रही है कि फसल उत्पादन क्षमता में किसी तरह की कोई कमी आई है। बल्कि यह स्थिति इसलिए है कि सरकारों की नीतियां प्रोत्साहन देने वाली साबित नहीं हो रही हैं। वहीं बाजार के रुझान इसे आर्थिक रूप से किसानों के हितों के प्रतिकूल बना रहे हैं। कहने को तो अकसर दलील दी जाती है कि पंजाब के किसानी से जुड़े संकटों का समाधान फसलों के विविधीकरण में निहित है। लेकिन विडंबना यह है कि विविधीकरण के दावों के बावजूद, सरसों के उत्पादक किसान प्रोत्साहन न मिल पाने से निराश हैं। दरअसल, किसान कम और अनिश्चित मुनाफे के चलते सरसों की फसल उगाने से गुरेज करता है। उसके सामने बड़ी चुनौती यह भी है कि सरसों की फसल की सरकारी खरीद सीमित मात्रा में होती है। जिसके चलते किसानों को खून–पसीने की उपज को बेचने के लिये व्यापारियों के रहमोकरम पर निर्भर रहना पड़ता है। वे अपने मोटे मुनाफे के लिये किसान के हितों की अनदेखी करने से नहीं चूकते। यही वजह है कि गेहूं और धान के विपरीत, जिनकी खरीद सुनिश्चित है और उनके लिये मजबूत विपणन प्रणाली मौजूद है, सरसों की फसल किसानों को बाजार की अस्थिरता के प्रति संवेदनशील बना देती है। फलतरू किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। दरअसल, इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि पंजाब आज अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं का एक मामूली हिस्सा ही स्थानीय उत्पादन से पूरा करता है। इससे हमारी महंगे आयात पर निर्भरता और भी बढ़ जाती है। तिलहन की खेती को बढ़ावा देना अक्सर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सही मायनों में सरकारी तंत्र द्वारा सरसों की उपज की खरीद में सहायता और न्यायसंगत मूल्य दिलाने के वायदे खोखले साबित होने के कारण सरसों की पैदावार का रकबा बढ़ता नहीं है। जिस दिन किसानों को तंत्र की नीतियों पर भरोसा पैदा हो जाएगा, उस दिन निश्चय ही किसान प्रोत्साहन के चलते तर्कसंगत प्रतिक्रिया देंगे। निर्विवाद रूप से पंजाब की धरती में सरसों उत्पादन की स्थितियों से जुड़ी संभावनाएं पर्याप्त हैं। यकीनी तौर पर यह धान की तुलना में कम पानी की खपत करती है। साथ ही भूजल संकट को कम करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण से जुड़ी रणनीतियों में स्वाभाविक रूप से फिट बैठती है। लेकिन हमें इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि पंजाब में विविधीकरण के लक्ष्य केवल नैतिक प्रोत्साहन से हासिल नहीं किए जा सकते। निश्चित रूप से इसके लिए अनिवार्य शर्त है कि बाजार की संरचना में जरूरत के अनुरूप बदलाव प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं। सही मायनों में सरसों के लिये एमएसपी समर्थित खरीद और स्थानीय प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य शृंखलाओं में निवेश किसानों को सरसों की खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है। यही प्रयास पंजाब के खेतों में पीली आभा फिर से पैदा करने की दिशा में कारगर साबित होंगे। सही मायनों में पंजाब में सरसों की खेती की कहानी नीतिगत विसंगतियों को ही उजागर करती है। दरअसल, संस्थागत स्तर पर समर्थन कुछ चुनिंदा फसलों को दिया जाता रहा है। जब तक यह असंतुलन दूर नहीं किया जाता, सरसों एक खोये हुए अवसर का प्रतीक बनकर रह जाएगी। इस फसल के पुनरुद्धार के लिये महज नारों की ही नहीं, बल्कि उसी गंभीरता की आवश्यकता है, जो गेहूं और धान की फसलों को लेकर लंबे समय से बरती जाती रही है।

लोग वही करने को राजी होते हैं, जो उन्हें दिलचस्प लगता है

एन. रघुरामन

हर स्वैब के साथ साइमन ग्रिम यह समझने के अपने लक्ष्य के और करीब पहुंचते चले गए कि आबादी में कौन–से रोगाणु घूम रहे हैं। वे सिक्योरबायो में तकनीकी कार्यक्रम प्रबंधक हैं और वैज्ञानिकों की उस टीम का हिस्सा हैं, जो बीमारियों के प्रसार पर नजर रखने के नए तरीके विकसित कर रही है।

दिसंबर की कड़ाके की ठंड में अगर दो लोग फुटपाथ पर खड़े होकर कहें कि क्या आप अपनी नाक में रूई का फाहा डालेंगे, तो क्या साइंस की खातिर आप ऐसा करेंगे? शायद हां, या शायद नहीं। लेकिन अगर वे हर फाहे के बदले आपको 50 रुपए दें, तब क्या आप करेंगे? बहुत संभव है, हां। और तब आप घर पहुंचकर यह दावा भी कर सकते हैं कि मैं विज्ञान के लिए ठंड में खड़ा रहा। इस महीने अमेरिका के बोस्टन में दो लोगों ने राहगीरों से यही करने को कहा। इसके लिए उन्होंने न सिर्फ उन्हें दो डॉलर का भुगतान किया, बल्कि ऐसा करने का यह ठोस कारण भी बताया कि वे अगली बड़ी महामारी की जल्दी पहचान में योगदान देने जा रहे हैं। शुरुआत में बहुत कम लोग इसके लिए राजी हुए, लेकिन शाम ढलते–ढलते उनकी संख्या सैकड़ों में पहुंच गई। हर स्वैब के साथ साइमन ग्रिम यह समझने के अपने लक्ष्य के और करीब पहुंचते चले गए कि आबादी में कौन–से रोगाणु घूम रहे हैं। वे सिक्योरबायो में तकनीकी कार्यक्रम प्रबंधक हैं और वैज्ञानिकों की उस टीम का हिस्सा हैं, जो बीमारियों के प्रसार पर नजर रखने के नए तरीके विकसित कर रही है। पिछले 6 महीने से चल रही

इस मुहिम में उनकी टीम ने 20,000 डॉलर खर्च करके 10,000 सैम्पल्स एकत्र कर लिए हैं। कोविड की तरह दूसरे रोगाणु भी हवा के जरिए फैलते हैं। वैज्ञानिकों को पता था कि अगर कोई व्यक्ति संक्रमित न हो, तब भी वायरस अकसर उसकी नाक के भीतर बने रहते हैं। पर्याप्त लोगों की जांच करने के बाद ग्रिम और उनकी टीम को यकीन हो गया कि वे स्थानीय आबादी में वायरसों के प्रसार के बारे में ठीक से जानकारियां जुटा सकेंगे। कड़ाके की ठंड के बावजूद कई लोगों ने इस प्रयोग के लिए हां कहा, और महज 2 डॉलर के लिए ही नहीं। डोनर्स के अलग–अलग कारण थे। कुछ ने कहा, मैंने यह कीटाणुओं के फैलाव को रोकने के लिए कियाय कुछ अन्य ने कहा, मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि हम सभी सुरक्षित रहेंय वहीं युवा छात्रों का कहना था, हम टीके तैयार करने में मदद करके लोगों की रक्षा करना चाहते हैं। सभी सैम्पल्स स्वेच्छा से और गुमनाम रूप से दिए गए। इसके बाद सैम्पल्स को एक प्रयोगशाला में ले जाया गया, जहां जीन–सीक्वेंसिंग मशीनों ने इन्फ्लुएंजा, पोलियो, कोविड सहित कई संक्रामक वायरसों में पाए जाने वाले जेनेटिक मटैरियल्स की पहचान की। इसके बाद वे ऐसे वायरसों की भी पहचान करेंगे, जो ज्ञात रोगाणुओं के समान नहीं हैं, लेकिन जेनेटिक रूप से उनके इतने निकट जरूर हैं कि उनकी गहन निगरानी की आवश्यकता है। यदि ऐसे नए वायरस स्वैब परीक्षणों में बार–बार सामने आने लगें, तो यह इस बात का स्पष्ट संकेत होगा कि वे आबादी में फैल रहे हैं। यदि यह पद्धति प्रभावी सिद्ध होती है, तो यह भविष्य की महामारियों के लिए एक राष्ट्रीय प्रारम्भिक चेतावनी प्रणाली का हिस्सा बन सकती है। इस सप्ताह मुझे इस गतिविधि की तब याद आई, जब गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मीडिया से कहा कि उनकी सरकार एक्यूआई को सुधारने, सार्वजनिक परिवहन को सुचारु बनाने और अंतरराष्ट्रीय मानकों की खेल सुविधाएं विकसित करने को प्राथमिकता देगी, ताकि 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की अच्छे से मेजबानी की जा सके। उन्होंने कहा कि उनकी टीम प्रक्रियाओं को सरल बनाएगी, समय पर काम पूरे करेगी और परिणामों को सुनिश्चित करेगी। यह बहुत बड़ा लक्ष्य है, जिसमें स्पष्ट रूप से स्थानीय आबादी की भागीदारी आवश्यक होगी। आने वाले चार वर्षों में यह देखना दिलचस्प होगा कि स्थानीय लोग न केवल बुनियादी ढांचा तैयार करने, बल्कि सार्वजनिक परिवहन को तेज और प्रभावी बनाने तथा वायु गुणवत्ता को उस स्तर पर बनाए रखने में भी कैसे योगदान देते हैं, जहां खिलाड़ी और खेल जगत की हस्तियां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यदि इस आयोजन को वैश्विक मानक बनाना उद्देश्य है, तो इसमें स्थानीय लोगों के व्यापक योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब यह देखना है कि सरकार स्थानीय नागरिकों को इस लक्ष्य में सहभागी बनाने के लिए क्या कदम उठाती है।

योग अस्त-व्यस्त आधुनिक जीवन में संतुलन का सम्यक साधन और मौन साधना

संजीव ठाकुर

योग की माया केवल निरोगी काया तक सीमित नहीं है बल्कि यह आधुनिक मनुष्य के बिखरते हुए जीवन को समेटने की एक गहन और मौन प्रक्रिया है, योग रोगमुक्त जीवन के लिए अद्‌भुत विधा है पर उससे भी अधिक यह स्वयं के माध्यम से स्वयं तक पहुँचने की यात्रा है, आज जब जीवन तेज रफ्तार, प्रतिस्पर्धा, अनिश्चितता और मानसिक दबावों से घिरा हुआ है तब योग केवल व्यायाम नहीं रह जाता बल्कि एक वैकल्पिक जीवन–दृष्टि बन जाता है। भारतीय अर्वाचीन दर्शन की पाठशाला में योग एक ऐसा अध्याय है जो काल के साथ पुराना नहीं होता बल्कि हर युग में नया अर्थ ग्रहण करता है, योग शब्द संस्कृत की जड़ 'युज' से निकला है जिसका अर्थ जोड़ना भी है और अनुशासन भी, और यही दो शब्द आज के मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुके हैं क्योंकि आधुनिक मनुष्य टूटा हुआ है।अपने शरीर से, अपने मन से, अपनी प्रकृति से और अपने भीतर की शांति से, योग इस टूटन को जोड़ने की कला है, जब नियमित योग अभ्यास से शरीर और मस्तिष्क के बीच एक स्वाभाविक सामंजस्य बनता है तब मन अनावश्यक अशांति से मुक्त होने लगता है और व्यक्ति परिस्थितियों को सहने नहीं बल्कि समझने लगता है, आज की जीवनशैली अनियमित भोजन, कृत्रिम स्वाद, देर रात तक जागना, मोबाइल और स्क्रीन की लत, लगातार तनाव और असुरक्षित भविष्य–बोध से भरी हुई है, ऐसे में योग किसी दवा की तरह नहीं बल्कि एक जीवन–विज्ञान की तरह काम करता है जो शरीर की आंतरिक कार्यप्रणाली को धीरे–धीरे सुधारता है, शिथिल अंगों को बिना आक्रामक हस्तक्षेप के सक्रिय करता है और मन को बाहरी शोर से हटाकर भीतर की शांति से जोड़ता है, निरोगी काया केवल रोगों की अनुपस्थिति नहीं है बल्कि वह अवस्था है जहाँ व्यक्ति स्वयं को ऊर्जावान, संतुलित और जीवन के प्रति सकारात्मक पाता है। आज सफलता को केवल धन, पद और प्रतिष्ठा से जोड़ा गया है जबकि योग यह सिखाता है कि वास्तविक सफलता वह है जिसमें लालच कम हो, आकांक्षाएँ संयमित हों और जीवन जीने की जिजीविषा बनी रहे, योग मनुष्य को उपभोग से उपस्थिति की ओर ले जाता है, भौतिक जगत में रहते हुए भी आंतरिक संतुलन बनाए रखना सिखाता है, आज के संदर्भ में जब अवसाद, चिंता, अनिद्रा और असंतोष नई पीढ़ी की सबसे बड़ी बीमारियाँ बन चुकी हैं तब योग एक मौन चिकित्सक की तरह काम करता है, युवा वर्ग शक्ति, लचीलापन, ऊर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता की खोज में महंगे जिम, सप्लीमेंट और कृत्रिम उपायों की ओर आकर्षित हो रहा है जबकि योग अभ्यास एक ऐसा सुरक्षित, सुलभ और लागत–विहीन मार्ग है जो शरीर को उसके प्राकृतिक आकार और संतुलन में वापस लाता है, आसन शरीर को स्थिरता देते हैं, प्राणायाम श्वास को जीवन से जोड़ते हैं और ध्यान मन को उसकी मूल शांति से परिचित कराता है। योगाभ्यास से केवल बीमारियों से मुक्ति नहीं मिलती बल्कि भीतर एक नई चेतना का विकास होता है जो व्यक्ति को अधिक सजग, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाती है, योग के विभिन्न मार्गकृकर्म योग, भक्ति योग, ज्ञान योग, राजयोग और हठयोग जीवन के अलग–अलग पहलुओं को संतुलित करते हैं, कर्म योग सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जगाता है और यह सिखाता है कि निस्वार्थ कर्म ही समाज का वास्तविक आधार है, भक्ति योग मन और हृदय को जोड़कर व्यक्ति को अहंकार से विनम्रता की ओर ले जाता है और सहिष्णुता, करुणा तथा अहिंसा का भाव विकसित करता है, ज्ञान योग विवेक, अध्ययन, मनन और बौद्धिक परिपक्वता को प्रोत्साहित करता है ताकि मनुष्य अंधविश्वास से नहीं बल्कि समझ से जीवन जिए, राजयोग योग की सर्वाधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक विधा है जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा और ध्यान के माध्यम से आत्मानुशासन और अंततः आत्मानंद की अनुभूति का मार्ग प्रशस्त होता है।,योग का इतिहास केवल ग्रंथों में नहीं बल्कि भारतीय जीवन–शैली में रचा–बसा रहा है, पश्चिमी जगत का योग से परिचय स्वामी विवेकानंद के माध्यम से हुआ जिन्होंने शिकागो में योग को केवल धार्मिक नहीं बल्कि वैश्विक मानवता की आवश्यकता के रूप

में प्रस्तुत किया, इसके बाद अनेक योग गुरुओं के प्रयासों से योग विश्वपटल पर प्रतिष्ठित हुआ और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता मिलना इस बात का प्रमाण है कि योग किसी एक देश या संस्कृति की नहीं बल्कि समूची मानव सभ्यता की धरोहर है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ में योग को मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य का सेतु बताना आज के पर्यावरणीय संकटों के संदर्भ में भी अत्यंत प्रासंगिक है, योग हमें सिखाता है कि जब तक मनुष्य स्वयं के साथ संतुलन में नहीं होगा तब तक वह प्रकृति के साथ भी संतुलन नहीं बना सकता, कोरोना संक्रमण काल ने यह स्पष्ट कर दिया कि योग केवल आध्यात्मिक अभ्यास नहीं बल्कि जीवनरक्षक सहायक भी बन सकता है, कपालभाति, अनुलोम विलोम, नाड़ी शोधन जैसी प्रक्रियाओं ने श्वसन तंत्र को मजबूत कर अनेक लोगों को संबल दिया, योग से रोगों की तीव्रता कम होती है और कई रोगों से मुक्ति भी संभव होती है क्योंकि यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भीतर से सशक्त बनाता है,योग किसी चमत्कार का दावा नहीं करता बल्कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और धैर्य की मांग करता है, यही कारण है कि यह हमें आत्मसंयम, आत्मबल और आत्मज्ञान से परिचित कराता है, योग सरल है पर सतही नहीं, आसान है पर प्रभावहीन नहीं, यह दैनिक जीवन की क्रियाओं के साथ जुड़कर जीवन को अधिक सजग और संतुलित बनाता है, अतः आज के युग में योग को केवल एक दिन का आयोजन न मानकर जीवन की नियमित साधना के रूप में अपनाने की आवश्यकता है ताकि हम स्वस्थ रहें, मस्त रहें और निरोगी रहते हुए एक अधिक मानवीय, शांत और संतुलित समाज की रचना कर सकें।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

कितने अनुभव दे गया, जाने वाला साल।
खट्टे कुछ मीठे रहे,,बतलाता यह हाल।।
बतलाता यह हाल, घटी घटनाएं ऐसी।
दुखद हादसा कुंभ, और अरुघाटी जैसी।।
नव यह रचना साल, कष्ट मत लाए इतने।
स्वागत करते लोग, देख उत्साहित कितने।।

आना अब नव साल है भरता हिय में हर्ष।
देख विदाई ले रहा, जाने वाला वर्ष।।
जाने वाला वर्ष, यही संदेशा देता।
बड़ा कीमती वक्त, हमेशा कीमत लेता।।
कहती रचना आज, वर्ष अब पिछला जाना।
भरता हिय में हर्ष, वर्ष अब नव का आना।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

सिर्फ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास (भाग – 12)

लेखिका – अतिया नूर

आखिरकार शेखर को ही अपनी हार मानकर समीर को बाइक दिलानी पड़ी। आज मैं सोचती हूं तो सोचती ही रह जाती हूं कि – काश! हमने समीर को विश्वास में लेकर, उसे अपने प्यार में बांधकर अगर बाइक दिलाई होती तो शायद कहानी कुछ और ही होती, शायद हमारे प्यार में बंधा समीर तब अपना इम्तिहान अधूरा न छोड़ता। आखिर इतनी हुज्जत के बाद, हालात बिगड़ने के बाद उसे बाइक तो दिलानी ही पड़ी....।

समीर के हाथों में बाइक क्या आई मानो वह आकाश में उड़ने लगा।हर समय बाइक, समीर और उसको बर्बाद करने वाले उसके दोस्त, अहबाब...। उसके कदम घर में टिकते ही नहीं थे।बाइक लेकर वह कहां – कहां घूमता था, हमें कुछ नहीं पता था। रात में देर से आना उसका मामूल बन गया था।

देर रात आने पर शेखर रोज उसपर बिगड़ते और घर से बाहर निकलने को कहते और फिर घर में रोज ही इस धमाचौकड़ी के आलम ने अपने पांव पसार लिए। इन सब क्रिया कलापों के बावजूद मैंने बड़ी मशक्कत के बाद समीर का एडमिशन दूसरे स्कूल में करवा दिया। मैं उसे सुबह किसी न किसी तरह तैयार करके, उसका मनपसंद टिफिन बनाकर उसे इस आशा पर स्कूल भेजती कि वह सुधर जाएगा। स्कूल में उसके

छूटे हुए होमवर्क के लिए यहां – वहां दौड़ लगाती। मां थी न ! सब कुछ सही करने की जिम्मेदारी मेरी ही तो थी। मैं रोज समीर के स्कूल की डायरी चेक करती, डायरी में रोज ही कोई न कोई शिकायत पढ़कर उदास और बेचैन हो जाती। पैरेंट – टीचर मीटिंग में जाने पर पता चलता कि –घर से स्कूल के लिए निकला मेरा समीर अक्सर ही स्कूल से गायब रहता है....।

इधर कुछ दिनों से मैं महसूस कर रही थी कि – समीर ने बाइक के साथ –साथ बड़ी गाड़ियों में रुचि लेना शुरू कर दिया है।अभी एक मुसीबत से जान छूटी भी नहीं थी कि दूसरी मुसीबत ने सर उठाना शुरू कर दिया था।उस दिन शेखर ऑफिस के किसी काम से शहर से बाहर थे , समीर को मानो खुली छूट मिल गई, उसने अलमारी से चाभी निकालकर शेखर की नई वैगन आर स्टार्ट की और कॉलोनी में फर्राटे से घूमना शुरू कर दिया। मेरा दिल कांप सा गया, मुझे लगा कि चौदह – पंद्रह साल का बच्चा गाड़ी कैसे चला सकता है? मेरा मन किसी अनहोनी की आशंका से ग्रस्त हो गया।

लेकिन मैं गलत थी, समीर को गाड़ी चलाना खूब अच्छे से आता था। वो गाड़ी में मुझसे भी बैठने की जिद करने लगा। मैं उसे डांट डपट कर किसी तरह घर ले आई और उसे बहुत देर तक समझाती रही कि – अभी तुम्हें गाड़ी नहीं चलानी चाहिए, अभी तुम इतने बड़े नहीं हुए हो... समीर मेरी बातें सुनी – अनसुनी करता रहा।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

मायावती की सर्वजन राजनीति ने दलितों के आंबेडकरवादी राजनीतिक, सामाजिक और बौद्ध आंदोलनों के साथ क्या किया?

एस आर दारापुरी

मायावती का भारतीय राजनीति में उदय दलित इतिहास का एक असाधारण क्षण था। एक दलित महिला का देश के सबसे बड़े राज्य की मुख्यमंत्री बनना सत्ता, सम्मान और दृश्यता का प्रतीक था। कांशीराम द्वारा स्थापित बहुजन राजनीतिक ढाँचे के अंतर्गत मायावती की राजनीति ने चुनावी एकीकरण, प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक नियंत्रण पर विशेष बल दिया। किन्तु इन उपलब्धियों के साथ–साथ, मायावती की बहुजन राजनीति ने आंबेडकरवादी राजनीतिक, सामाजिक और बौद्ध आंदोलनों पर गहरे और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव भी डाले। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ा, परंतु आंबेडकरवाद के वैचारिक, सामाजिक सुधारक और नैतिक–धार्मिक आयाम कमजोर होते चले गए। यह आलेख इन प्रभावों का तीन स्तरोंकृराजनीतिक, सामाजिक और बौद्धकृपर आलोचनात्मक विश्लेषण करता है। डॉ. आंबेडकर के लिए राजनीतिक सत्ता सामाजिक लोकतंत्रकृस्वतंत्रता, समानता और बंधुत्वकृकी स्थापना का साधन थी। मायावती के शासनकाल में आंबेडकरवादी राजनीति धीरे–धीरे सत्ता–केन्द्रित होती गई, जहाँ चुनावी सफलता और प्रशासनिक स्थिरता वैचारिक संघर्ष से अधिक महत्वपूर्ण हो गई। उनका शासन मुख्यतः निम्न माध्यमों से संचालित हुआरू नौकरशाही नियंत्रण' कल्याणकारी योजनाएँ एवं प्रतीकात्मक राजनीति परंतु जाति उन्मूलन, संवैधानिक नैतिकता और सामाजिक लोकतंत्र जैसे आंबेडकरवादी प्रश्न पीछे छूटते गए। परिणामस्वरूप दलित राजनीति दृश्य तो हुई, पर वैचारिक रूप से दुर्बल। मायावती के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी एक अत्यधिक केंद्रीकृत संगठन बन गईरू नेतृत्व व्यक्तिनिष्ठ हो गया, आंतरिक विमर्श हतोत्साहित हुआ और स्वतंत्र आंबेडकरवादी विचारकों और कैडर नेताओं को हाशिए पर डाल दिया गया।

वाई प्लस सिक्योरिटी के साथ देर रात साइकिलिंग पर निकले सलमान खान, 60 के एक्टर की एनर्जी और फिटनेस हैरान रह गए फैंस

> सुपरस्टार का यह बेफिक्र और एनर्जेटिक अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। वीडियो में सलमान खान सबसे आगे साइकिल चलाते हुए नजर आते हैं और उनके चारों ओर सिक्योरिटी टीम मौजूद रहती है। खराब रास्ते के बावजूद जिस सहजता और रफ्तार से वह साइकिलिंग कर रहे हैं, उसने लोगों को चौंका दिया है।

बॉलीवुड के दबंग एक्टर सलमान खान ने शनिवार, 27 दिसंबर 2025 को अपना 60वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस खास मौके पर उन्हें देश–विदेश से फैंस, दोस्तों और फिल्मी हस्तियों की ओर से ढेरों शुभकामनाएं मिलीं। सोशल मीडिया से लेकर उनके पनवेल स्थित फार्महाउस तक, हर जगह भाईजान के जन्मदिन की धूम देखने को मिली। इसी बीच सलमान खान का फार्महाउस की साइड से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह ऊबड़–खाबड़ सड़क पर तेज रफ्तार में साइकिल चलाते नजर आ रहे हैं। 60 साल की उम्र में भी उनकी एनर्जी और फिटनेस देखकर लोग हैरान रह गए। पनवेल फार्महाउस से सामने आए इस वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान खान पूरे आत्मविश्वास के साथ साइकिल चलाते दिख रहे हैं। उनके आगे–पीछे कड़ी सिक्योरिटी दिख रही है, जबकि पैपराजी भी उन्हें कैमरे में कैद करने के लिए दौड़ते दिखते हैं। सुपरस्टार का यह बेफिक्र और एनर्जेटिक अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। वीडियो में सलमान खान सबसे आगे साइकिल चलाते हुए नजर आते हैं और उनके चारों ओर सिक्योरिटी टीम मौजूद रहती है। खराब रास्ते के बावजूद जिस सहजता और रफ्तार से वह साइकिलिंग कर रहे हैं, उसने लोगों को चौंका दिया है। 60 की उम्र में भी उनकी फिटनेस और स्वैग देखकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह वीडियो सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। सलमान खान के इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स लगातार रिएक्शन दे रहे हैं। किसी ने लिखा, "60 की उम्र में भी 26 वाला जोश, गजब की फिटनेस है," तो किसी ने कमेंट किया, "भाई तो भाई हैं३ लव यू भाईजान।

बालों में बो क्लिप लगाकर चहकीं आलिया भट्ट, बैकलेस ब्लैक ड्रेस दिखा हसीना का ग्लैमरस लुक

बॉलीवुड की टैलेंटेड और स्टाइल आइकन मानी जाने वाली आलिया भट्ट एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपने ग्लैमरस लुक से फैंस का दिल जीतती नजर आ रही हैं। फैंस आलिया के इन फोटोज को जमकर लाइक कर रहे हैं और उनकी खूबसूरती, स्टाइल और एक्सप्रेशंस की सराहना करते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में आलिया ब्लैक कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें वह काफी स्टाइलिश और एलिगेंट लग रही हैं। इस लुक को खास बनाने के लिए उन्होंने बालों में बो क्लिप्स का इस्तेमाल किया है। कहीं उन्होंने ग्रीन कलर का बो क्लिप लगाया है, तो कहीं रेड कलर का, जो उनके पूरे लुक में एक फ्रेश और प्लेफुल टच दे रहा है। फोटोज में आलिया अपने हेयरस्टाल को हाइलाइट करते हुए पोज दे रही हैं। लाइट मेकअप और न्यूड लिपस्टिक उनकी खूबसूरती को और निखार रही है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए आलिया भट्ट ने कैप्शन में लिखा, "बोज का फेज चल रहा है। आलिया भट्ट का यह नया लुक सोशल मीडिया पर खूब छाया हुआ है और एक बार फिर उन्होंने अपने स्टाइल और चार्म से साबित कर दिया है कि क्यों वह बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा और खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं।

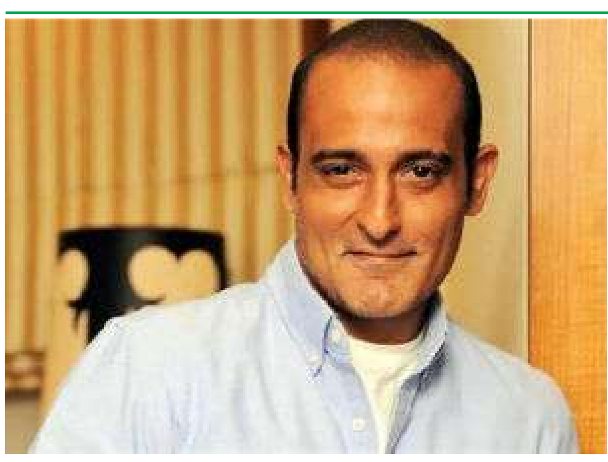

हमें उनसे बेहतर इंसान मिल गया, दृश्यम 3 को ठुकराने पर प्रोड्यूसर ने अक्षय खन्ना को भेजा लीगल नोटिस

एक्टर अक्षय खन्ना इन दिनों हालिया रिलीज हुई फिल्म ध्ुरंधर को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म में उनके किरदार को खूब पसंद किया जा रहा है। उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्ड वाइड 1000 करोड़ का आंकडा पार कर लिया है। वहीं, धुरंधर की सफलता के बीच एक्टर ने श्दृश्यम 3श में अपनी डिमांड न पूरी होने के चलते इसे छोड़ने का फैसला कर लिया है। ऐसे अक्षय के फिल्म का ऑफर ठुकराने पर प्रोड्यूसर ने बड़ी बात कही है और बताया कि उन्हें एक बड़े एक्टर ने रिप्लेस कर दिया है। दृश्यम 3 के प्रोड्यूसर कुमार मंगत पाठक ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में कहा–दृश्यम एक बहुत बड़ा ब्रांड है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह फिल्म में है या नहीं। अब, जयदीप अहलावत ने उन्हें रिप्लेस कर दिया है। भगवान की कृपा से हमें अक्षय से बेहतर एक्टर मिला है और सबसे जरूरी बात, हमें अक्षय से बेहतर इंसान भी मिला है। मैंने जयदीप के करियर की शुरुआती फिल्मों में से एक आक्रोश (2010) प्रोड्यूस की थी। प्रोड्यूसर ने आगे कहा, अक्षय खन्ना के बर्ताव की वजह से मुझे नुकसान हुआ है। मैं कानूनी कार्रवाई करने जा रहा हूं। मैंने उन्हें पहले ही लीगल नोटिस भेज दिया है। उन्हें अभी इसका जवाब देना होगा। निर्माता का आरोप है कि अक्षय ने शूटिंग से सिर्फ 10 दिन पहले फिल्म छोड़ दी, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ। कुमार मंगत ने इसे पूरी तरह अनप्रोफेशनल बिहेवियर बताया। अक्षय खन्ना को लंबी बातचीत और फीस पर दोबारा बातचीत के बाद ही फिल्म के लिए साइन किया गया था, जिसका एक एग्रीमेंट भी साइन हुआ था। शुरुआत में अक्षय ने ये शर्त रखी कि वे फिल्म में विग पहनना चाहते हैं, लेकिन निर्देशक अभिषेक पाठक ने उन्हें समझाया कि 'दृश्यम 3' सीक्वल है और विग से कंटिन्यूटी खराब होगी।

बच्चों की खातिर सुनील शेट्टी ने ठुकराया 40 करोड़ का तंबाकू का एड! कहा- अब तो किसी की हिम्मत नहीं होती..

सुनील शेट्टी भले ही इन दिनों फिल्मों में नजर नहीं आते, लेकिन वे अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में 64 वर्षीय सुनील एक इंटरव्यू में अपने काम और फिटनेस को लेकर कई खुलासे किए। साथ ही एक्टर ने खुलासा किया कि फिटनेस के जुनून के कारण उन्होंने 40 करोड़ का तंबाकू का एड कैंपेन भी ठुकरा दिया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने बताया कि साल 2017 में वह पिता वीरप्पा शेट्टी के निधन से वह बुरी तरह टूट गए थे। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से लंबा ब्रेक ले लिया था। वह बोले, श2017 में निधन से पहले पिताजी 2014 से बीमार थे और मैं उनकी देखभाल कर रहा था। मेरी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। मैंने पूरी तरह से काम छोड़ दिया था और फिर उनका निधन हो गया। हालांकि, उसी सुबह मुझे एक हेल्थ शो करने का ऑफर मिला। सुनील शेट्टी ने कहा कि लगभग पांच साल तक काम से दूर रहने के बाद पिता के निधन के दिन ही काम का ऑफर मिलना...उन्हें लगा कि जैसे यह भगवान का इशारा है। वह बोले, श्मैंने इसे एक बुलावा समझा और फिर एक्टिंग में वापसी की और कुछ साउथ की फिल्में कीं। जब आप 6–7 साल का ब्रेक लेते हैं, तो आपको लगता है कि आप अपने काम को नहीं जानते, चीजें बदल गई हैं, और कोई आपको नहीं जानता, सब नए हैं, इसलिए मैं सहज नहीं था। सुनील शेट्टी ने आगे कहा, कोविड महामारी के बाद मैंने खुद को अलग नजरिए से देखना शुरू किया। मैंने खुद को मजबूत बनाया, ट्रेनिंग ली, पढ़ा और बहुत कुछ किया। फिर मुझे खुद पर इतना भरोसा हो गया कि मुझे लगा कि मुझे किसी से वेलिडेशन की जरूरत नहीं है। भगवान और लक्ष्मी जी की कृपा रही है। हर बार मेरी जरूरत के समय दयालु रही हैं। वह बिना मांगे मेरे साथ हैं। इससे एक अलग तरह का आत्मविश्वास मिलता है। उस आत्मविश्वास ने मुझमें सब कुछ बदल दिया। तंबाकू प्रोडक्ट्स के प्रचार करने के बारे में सुनील शेट्टी ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर ऐसे प्रोडक्ट्स का विज्ञापन न करने का फैसला किया है। एक्टर ने बताया कि उन्होंने एक तंबाकू विज्ञापन के लिए 40 करोड़ रुपये का ऑफर भी ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा, मुझे एक तंबाकू विज्ञापन के लिए 40 करोड़ रुपये का ऑफर मिला था।

'तू मेरी मैं तेरा' की धीमी शुरुआत! मल्टी–स्टारर क्लैश में कार्तिक–अनन्या की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिछड़ी

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की रोमांटिक कॉमेडी, तू मेरी मैं तेरा को रविवार को बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में थोड़ी गिरावट देखने को मिली। समीर विद्वान द्वारा निर्देशित इस फिल्म का मकसद फेस्टिव छुट्टियों वाले वीकेंड का फायदा उठाना था, लेकिन एक साथ कई फिल्मों के रिलीज़ होने के कारण इसे चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिससे शुरुआती दिनों में इसकी ग्रोथ सीमित रही। फिल्म के लीड एक्टर्स की स्टार पावर और रिलीज़ के समय को देखते हुए इसके परफॉर्मेंस पर करीब से नज़र रखी जा रही थी, क्योंकि यह ऐसा समय था जब आमतौर पर बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई होती है।

अपने पहले रविवार (चौथे दिन) को, फिल्म ने तीन बड़ी रिलीज़ में सबसे कम कमाई दर्ज की, जो धुरंधर और अवताररू फायर एंड ऐश से पीछे रही। शुरुआती अनुमानों के अनुसार, तू मेरी मैं तेरा ने रविवार को 5.37 करोड़ रुपये कमाए, जो शनिवार के 5.5 करोड़ रुपये से 2.36 प्रतिशत की मामूली गिरावट दिखाता है। खास बात यह है कि रविवार की कमाई शुक्रवार के 5.25 करोड़ रुपये से ज़्यादा रही। यह स्थिरता दर्शकों की स्थिर दिलचस्पी को दिखाती है, भले ही बाहरी कारणों से कुल ग्रोथ धीमी रही हो।

सैकनिल्क के अनुसार, धुरंधर ने अनुमानित 22 करोड़ रुपये के साथ चार्ट में टॉप किया, जबकि अवताररू फायर एंड ऐश ने लगभग 10.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

फिल्म के बारे में

तू मेरी मैं तेरा में कार्तिक आर्यन रेहान "रे" मेहरा और अनन्या पांडे रूमी वर्धन सिंह के रोल में हैं। फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है जिन्हें एक–दूसरे से प्यार हो जाता है, लेकिन परिवार के दबाव के कारण उन्हें अलग होना पड़ता है। वे भारी मन से अलग हो जाते हैं, इस उम्मीद के साथ कि किस्मत उन्हें किसी दिन फिर से मिलाएगी।

तू मेरी मैं तेरा से पहले, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे ने 2019 की फिल्म पति पत्नी और वो में साथ काम किया था। फिल्मफेयर के साथ एक बातचीत में, कार्तिक से पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने पिछले प्रोजेक्ट के बाद से अनन्या में कोई बदलाव देखा है। इस पर जवाब देते हुए एक्टर ने कहा, ष्मैं तब भी कहता था कि वह बहुत अच्छी थी, जब हम पति पत्नी और वो कर रहे थे, हमने उस फिल्म को करने में बहुत मज़ा किया था।

'धुरंधर' की तूफानी कमाई! फिल्म की कमाई 1050 करोड़ के पार, अब तक की 7वीं सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर

रणवीर सिंह की श्धुरंधरश को बॉक्स ऑफिस पर रोकना मुश्किल है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज़बरदस्त कमाई कर रही है और चौथे वीकेंड में इसने एक और बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सिर्फ़ 24 दिनों में, इस एक्शन थ्रिलर ने दुनिया भर में 1,050 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, और अब तक की सबसे बड़ी भारतीय ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई है।

Sacnilk के शुरुआती अनुमानों के अनुसार, आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म ने रविवार को पूरे भारत में लगभग 22.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। फिल्म ने टिकट खिड़की पर अच्छी ग्रोथ देखी, चौथे शुक्रवार के कलेक्शन लगभग 15 करोड़ रुपये और शनिवार के कलेक्शन 20.5 करोड़ रुपये से। इसके साथ, फिल्म का कुल चौथे वीकेंड का कलेक्शन अब अनुमानित 57.75 करोड़ रुपये हो गया है। अपने चौथे रविवार, 28 दिसंबर को, धुरंधर ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 1,064 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, और शाहरुख खान की पठान और प्रभास की कल्कि 2898 ।क के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही, यह फिल्म आधिकारिक तौर पर अब तक की सातवीं सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह फिल्म हफ़्ते दर हफ़्ते नए रिकॉर्ड बना रही है। अपने दूसरे और तीसरे हफ़्ते में ऐतिहासिक आंकड़े दर्ज करने के बाद, धुरंधर ने अपने चौथे वीकेंड में एक और अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की, और 62 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर, फिल्म ने Sacnilk.com के अनुसार 690.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है, जो ग्रॉस 828.25 करोड़ रुपये होता है। ट्रेड एनालिस्ट्स को उम्मीद है कि यह हिंदी फिल्म आने वाले दिनों में भारत में 700 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन का आंकड़ा पार कर लेगी। विदेशों में, क्रिसमस की छुट्टियों का समय एक बड़ा बूस्टर साबित हुआ। फिल्म ने अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर +26 मिलियन से ज़्यादा की कमाई की है, जिससे इसका दुनिया भर का कुल कलेक्शन 1,000 करोड़ रुपये के मील के पत्थर को पार कर गया है। विदेशों में मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया ने धुरंधर की स्थिति को दुनिया भर में सबसे सफल भारतीय फिल्मों में और मज़बूत किया है। अकेले रविवार को, फिल्म ने कथित तौर पर दुनिया भर में 30 करोड़ रुपये से ज़्यादा की कमाई की, जिससे यह कल्कि 2898 AD (1,042 करोड़ रुपये) और पठान (1,055 करोड़ रुपये) के फाइनल कलेक्शन को पार कर गई।

नए साल में मेन गेट पर रख दें ये एक चीज, संवर जाएगी पूरी जिंदगी

वास्तु शास्त्र के अनुसार नए साल में किया गया एक छोटा सा उपाय आपकी पूरी जिंदगी संवार सकती है। नए साल के पहले दिन घर के मुख्य दरवाजे पर पानी से भरा बर्तन रखना एक शुभ और सकारात्मक उपाय माना जाता है। माना जाता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में सुख–समृद्धि का प्रवेश होता है।

नकारात्मकता को सोख लेता है पानी

वास्तु के अनुसार पानी में नकारात्मक ऊर्जा को अवशोषित करने की क्षमता होती है। मुख्य दरवाजे पर रखा पानी बाहर से आने वाली बुरी ऊर्जा को घर में प्रवेश करने से पहले ही रोक लेता है। पानी को शांति, शुद्धता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। नए साल के पहले दिन यह उपाय करने से घर में सकारात्मक माहौल, मानसिक शांति, आपसी प्रेम और सौहार्द बना रहता है।

लक्ष्मी कृपा का संकेत

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, साफ पानी से भरा बर्तन मां लक्ष्मी का स्वागत करता है। इससे आर्थिक परेशानियां कम होती हैं, घर में धन का प्रवाह बना रहता है। इसके लिए नए साल की सुबह जल्दी उठें। घर के मुख्य दरवाजे को अच्छे से साफ करें।। मिट्टी, तांबे या स्टील के बर्तन में स्वच्छ पानी भरें। चाहें तो उसमें एक फूल या चांदी का सिक्का डाल सकते हैं। दिन भर बर्तन वहीं रहने दें। अगले दिन पानी पौधों में डाल दें

इन बातों का रखें ध्यान

पानी गंदा या अधभरा न हो। टूटा या चटका बर्तन इस्तेमाल न करें। ध्यान रखें कि बर्तन ऐसी जगह रखें जहां वह रुकावट न बने।नए साल की शुरुआत अगर सकारात्मक सोच और छोटे–छोटे शुभ उपायों से की जाए, तो पूरा साल बेहतर ऊर्जा के साथ गुजरता है। मुख्य दरवाजे पर पानी से भरा बर्तन रखना सरल, सुरक्षित और विश्वास से जुड़ा वास्तु उपाय है।

हर्ब्स को हफ्तों तक ताजा रखने के आसान घरेलू तरीके, जानें यहां

खाने के अगर फ्रेश हर्ब्स का इस्तेमाल किया जाए तो इससे टेस्ट पूरी तरह से बदल सकता है। करीपत्ते से लेकर धनिया व पुदीना खाने के टेस्ट को नेक्स्ट लेवल पर ले जाते हैं। अमूमन हम मार्केट से इन हर्ब्स का एक बड़ा गुच्छा खरीदते हैं, लेकिन एक बार में इन्हें थोड़ा सा ही इस्तेमाल किया जाता है और फिर बाकी कुछ ही दिनों में फ्रिज में खराब हो जाता है। ऐसे में पैसे यू ही वेस्ट हो जाते हैं। हम सभी के साथ अक्सर ऐसा होता है। हालांकि, ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन अगर आप थोड़ा स्मार्ट तरीका अपनाते हैं तो ऐसे में इन हर्ब्स को महीनों तक भी आसानी से स्टोर किया जा सकता है। इससे आप उन्हें लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के आसानी से इस्तेमाल कर पाएंगे। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में–

ठीक से धोएं और सुखाएं

अगर आप हर्ब्स को स्टोर करना चाहते हैं तो पहले उन्हें अच्छी तरह धोकर सुखाएं। इसके लिए आप हर्ब्स को ठंडे पानी में धीरे से धोएं। फिर एक्स्ट्रा पानी झाड़कर उन्हें एक साफ तौलिए पर फैलाएं। अब इन हर्ब्स को पूरी तरह से सूखने दें। ध्यान रखें कि अगर इनमें नमी रह जाती है, तो हर्ब्स जल्दी खराब हो जाती हैं।

आजमाएं पेपर टॉवल रैप तरीका

अगर आप धनिया, पुदीना, अजमोद, डिल जैसी हर्ब्स को स्टोर करना चाहती हैं तो ऐसे में पेपर टॉवल रैप तरीके को आजमाएं। इसके लिए आप हर्ब्स को सूखे पेपर टॉवल पर रखें, फिर धीरे से रोल करें। अब इसे एयरटाइट बॉक्स में रखें। इस तरह हर्ब्स 1–2 हफ्ते तक खराब नहीं होती हैं। आप हर दिन कुछ मात्रा में इन हर्ब्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

करें फ्रीज

अगर आप हर्ब्स को महीनों तक स्टोर करना चाहते हैं तो ऐसे में उन्हें फ्रीज करना सबसे अच्छा रहता है। इसके लिए आप साबुत पत्तियों को धोकर सुखा लें। अब इन्हें जिप बैग में स्टोर करें और फ्रीज करें। इसके अलावा हर्ब्स से आइस क्यूब भी बनाए जा सकते हैं। इसके लिए आप हर्ब्स को काटें और आइस ट्रे में डालें। इसे पानी या जैतून के तेल से भरकर फ्रीज करें। सूप, दाल, ग्रेवी के लिए यह बहुत बढ़िया ऑप्शन है। इस तरह आपकी हर्ब्स 3–6 महीने तक आसानी से चल जाती हैं।

लिपस्टिक का रंग चुनना मुश्किल, डस्की स्किन के लिए बेस्ट हैं ये 4 शेड्स, दिखेंगी बेहद खूबसूरत

महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए काफी प्रयास करती हैं। ऐसे में महिलाएं अपने आउटफिट से लेकर मेकअप तक हर एक चीज को परफेक्ट मैच करना और पहनना पसंद करती हैं। ऐसे में अगर आपकी स्किन डस्की है और आप अपनी स्किन के हिसाब से लिपस्टिक शेड की तलाश कर रही हैं। तो यह खबर आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 4 लिपस्टिक शेड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो डस्की स्किन वाली महिलाओं और लड़कियों के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है।

जानिए डस्की स्किन के लिए लिपस्टिक शेड्स

अगर आप भी डस्की स्किन वाली हैं, तो आप अपनी स्किन के हिसाब से लिपस्टिक शेड्स की तलाश रही हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप भी कुछ लेटेस्ट शेड्स ट्राई करके अपने लुक की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

चॉकलेट ब्राउन या टेराकोटा

डस्की स्किन वाली लड़कियों को क्लासिक न्यूड शेड जरूर ट्राई करना चाहिए। ऐसे में चॉकलेट ब्राउन या टेराकोटा दोनों की शेड्स डस्की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। इस तरह के शेड्स को शामिल करके आप अपने लुक को खूबसूरत बना सकती हैं। आपको ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही जगहों पर इस तरह के शेड्स मिल जाएंगे।

वार्म डीप रेड

अगर आप भी डस्की स्किन हैं और आप लिपस्टिक शेड्स नहीं डिसाइड कर पाती हैं। तो आप वार्म डीप रेड शेड का चुनाव कर सकती हैं। डस्की स्किन वाली लड़कियों पर इस तरह के शेड्स बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। आप नाईट पार्टी लुक के लिए भी ऐसे शेड्स चुन सकती हैं।

रिच मैरून

आप चाहें तो रिच मैरून शेड को भी शामिल कर सकती हैं। यह आपके लुक में चार चांद लगा सकती है। इस तरह के शेड्स आपको ऑफलाइन और ऑनलाइ दोनों जगहों पर मिल सकते हैं। आप चाहें तो रिच मैरून शेड्स को शामिल करके अपनी डस्की स्किन को भी खूबसूरत बना सकती हैं।

डीप मॉव

अगर आप चाहें तो अपने लुक को खास बनाने के लिए डीप मॉव शेड का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस शेड में पिंक और पर्पल दोनों का मिश्रण होता है। इससे आपके होठों की खूबसूरती बढ़ जाएगी। वहीं अगर आपको बोल्ड रेड शेड्स पसंद नहीं हैं, तो आपके लिए डीप मॉव बेस्ट ऑप्शन हो सकता है।

पहले अंडा आया या मुर्गी? वैज्ञानिकों ने सुलझाई बरसों पुरानी पहेली

बरसों पुरानी पहेली "पहले अंडा आया या मुर्गी?"अखिरकार वैज्ञानिकों की रिसर्च से सुलझ गई है। ब्रिटेन की शेफील्ड और वारविक यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अंडे के छिलके में पाए जाने वाले व–17 प्रोटीन का अध्ययन कर यह साबित कर दिया कि मुर्गी पहले आई। इस खोज ने पहले की थ्योरी, जिसमें माना जाता था कि अंडा पहले आया होगा, को भी पलट दिया। वैज्ञानिकों के अनुसार ओसी–17 प्रोटीन केवल मुर्गी के अंडाशय में बनता है, और बिना मुर्गी के अंडे का छिलका बनना असंभव है। यही कारण है कि अब इस पहेली का सही जवाब मिल गया है।

अंडे के छिलके में मिला रहस्य, ओसी–17 प्रोटीन

इस रहस्य को सुलझाने में मदद मिली ओसी–17 प्रोटीन से, जो अंडे के छिलके को मजबूत बनाने का काम करता है। यह प्रोटीन केवल मुर्गी के अंडाशय में बनता है। इसका मतलब यह हुआ कि बिना मुर्गी के अंडे का छिलका नहीं बन सकता। सुपरकंप्यूटर की मदद से की गई रिसर्च में पता चला कि अंडे के छिलके को मजबूत करने में ओसी–17 प्रोटीन को लगभग 25 घंटे का समय लगता है। यही खोज साबित करती है कि खास मुर्गी के अंडे की बात करें तो पहले मुर्गी आई।

डॉक्टर की थ्योरी से मिला जवाब

शेफील्ड यूनिवर्सिटी के डॉ. कोलिन फ्रीमैन ने पहले माना था कि अंडा पहले आया होगा। उनकी थ्योरी पर यह आध ाार था कि डायनासोर के अंडे पहले मौजूद थे और मुर्गी काफी बाद में विकसित हुई। माना जाता था कि दो मुर्गियों जैसी पक्षियों के जेनेटिक म्यूटेशन से पहला अंडा आया और उसी अंडे से पहली मुर्गी निकली। नई रिसर्च ने यह सिद्ध किया कि मुर्गी के अंडे के लिए पहला जीव मुर्गी ही थी, क्योंकि ओसी–17 प्रोटीन केवल मुर्गी के अंडाशय में बनता है और इसके बिना अंडे का छिलका तैयार नहीं हो सकता।

ओसी–17 प्रोटीन कैसे सुलझाता है गुत्थी

ओसी–17 यानी ओवोक्लीडिन–17 प्रोटीन अंडे के छिलके को मजबूत बनाता है और कैल्शियम को तेजी से क्रिस्टल में बदलने में मदद करता है। शोध में यह साबित हुआ कि अंडे के छिलके का निर्माण केवल मुर्गी के अंडाशय से संभव है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पहले मुर्गी आई। सामान्य रूप से डायनासोर के अंडे पहले आए थे, इसलिए "अंडा पहले आया" का तर्क सही हो सकता है। लेकिन मुर्गी के अंडे की बात करें तो पहले मुर्गी आई, क्योंकि अंडे का छिलका बिना मुर्गी के नहीं बन सकता। इस रिसर्च ने सालों पुराने बहस को समाप्त किया और ओसी–17 प्रोटीन की खोज से यह वैज्ञानिक पहेली आखिरकार सुलझ गई है।

बच्चों की टॉफी जिद का हेल्दी तोड़: घर पर बनाएं चुकंदर–आंवला कैंडी, सेहत संग स्वाद का संगम

बच्चों की टॉफी–कैंडी की ज़िद का समाधान, अब घर पर बनाएं आंवला और चुकंदर से हेल्दी बीटरुट कैंडी, जो बाजार की अनहेल्दी कैंडी का बेहतरीन विकल्प है। इस आसान रेसिपी से बच्चों को मिलेगा खट्टा–मीठा स्वाद और साथ ही मिलेगा आंवला–चुकंदर के पौष्टिक तत्व।

अगर आपके बच्चे भी दिनभर चॉकलेट–टॉफी, कैंडी खाने की जिद करते हैं, चाहे कितना भी मना कर लें लेकिन फिर भी पैरेंट्स को देना ही पड़ता है। अब आप कैंडी का हेल्दी वर्जन घर में ही तैयार कर सकते हैं। इसका खट्टा–मीठा स्वाद सबको पसंद आएगा। बस एक बार घर पर ये आंवला और चुकंदर से बनी कैंडी बनाकर रख दें। बच्चे बार–बार मांगकर खाएंगे ये कैंडी। इससे ना केवल बच्चे मार्केट की अनहेल्दी शुगर वाली कैंडी खाने से बचेंगे बल्कि आंवला और चुकंदर के फायदे भी उन्हें मिल जाएंगे। आइए आपको बतातें इसे कैसे बनाएं।

आंवला–चुकंदर कैंडी बनाने की सामग्री

– आधा किलो आंवला
– एक से दो चुकंदर
– एक कप चीनी या मिश्री
– काला नमक
– सफेद मिर्च पाउडर
– नींबू का रस

आंवला–चुकंदर कैंडी बनाने की रेसिपी

– इसके लिए आंवले के पहले अच्छे से धो लें।

– चुकंदर को छीलकर धो लें और दो टुकड़ों में काट लें।

– अब स्टीमर में आंवला और चुकंदर को पकाएं।

– यदि आप स्टीमर ना हो तो चलनी पर चुकंदर और आंवला लें और भगोने में पानी भरकर उसी के ऊपर रखकर ढंक दें। धीरे–धीरे पानी गर्म होगा तो भाप से दोनों चीज पक जाएगी।

– आंवला और चुकंदर पककर नर्म हो जाए तो इसे भाप से हटा लें और थोड़ा ठंडा हो जाने दें।

– अब मिक्सी के जार में इनका पेस्ट तैयार कर लें। ध्यान रहे कि पेस्ट बनाने के लिए पानी का इस्तेमाल ना के बराबर करें।

– पैन में थोड़ा सा घी या तेल डालकर गर्म करें। बस इस इतना की बर्तन की तली चिकनी रहे और पेस्ट डालते ही जलने ना लगे।

– इस पेस्ट को धीमे फ्लेम पर भूनें। इसके साथ ही इसमें एक कप पिसी हुई मिश्री या चीनी डाल दें।

– अब इसके साथ ही नींबू का रस, कला नमक और सफेद मिर्च पाउडर भी डाल दें।

– सारी चीजों को तब तक भूनें जब तक कि ये सूखकर बिल्कुल इक्ट्ठा ना होने लगे।

– जब ये हाथ में लेने पर इक्ट्ठा गोल होने लगे तो गैस बंद कर दें और थोड़ा इसे ठंडा होने दें।

– इन सारे पेस्ट की छोटी–छोटी गोल या चौकोर शेप देकर कैंडी तैयार कर लें।

– किसी प्लेट में पिसी चीनी या मिश्री लें और उसमे इन सारी गोलियों को घुमा दें। जिससे ऊपर से लिपट जाएं और बस तैयार हैं मजेदार खट्टी–मिट्ठी बीटरुट कैंडी।

– बच्चों का मार्केट जैसा फील देने के लिए आप इन गोलियों को क्लिंज रैप वाली पॉलीथिन में रैंप कर सकते हैं और तैयार है मार्केट वाली टॉफी।

संक्षिप्त

चांदी के वायदा भाव में छह प्रतिशत की तेजी, रिकॉर्ड 2.54 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर

मजबूत निवेशक मांग एवं सकारात्मक वैश्विक रुझानों के बीच वायदा कारोबार में सोमवार को चांदी की कीमत में लगातार छठे सत्र में रिकॉर्ड तोड़ तेजी जारी रही और यह छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,54,174 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। चांदी की कीमत में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मार्च 2026 में आपूर्ति वाले अनुबंधों की कीमत 14,387 रुपये यानी छह प्रतिशत चढ़कर 2,54,174 रुपये प्रति किलोग्राम के अबतक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुझानों को देखते हुए व्यापारियों द्वारा चांदी की जमकर खरीदारी की जा रही है। इस बीच, सोने की कीमतों में भी तेजी जारी रही और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में फरवरी 2026 में आपूर्ति वाले अनुबंधों का भाव 357 रुपये यानी 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ रिकॉर्ड 1,40,230 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। शुक्रवार को इसकी कीमत 1,40,465 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। वैश्विक स्तर पर भी सोना व चांदी की कीमतों में तेजी रही। कॉमेक्स सोने का वायदा भाव 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ रिकॉर्ड 4,536.80 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। चांदी का वायदा भाव पहली बार 80 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गया। यह 7.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 82.67 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा।

घरेलू शेयर बाजारों में धीमी शुरुआत के बाद तेजी

सेंसेक्स और निफ्टी ने सोमवार को मामूली बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की, हालांकि एशियाई बाजारों में मजबूत रुख एवं घरेलू संस्थागत निवेशकों की निरंतर खरीदारी से बाद में इनमें तेजी आई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 22.24 अंक चढ़कर 85,063.69 अंक पर और एनएसई निफ्टी मामूली रूप से 16 अंक की बढ़त के साथ 26,058.30 अंक पर रहा। शुरुआती सौदों के बाद इनमें तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 105.17 अंक चढ़कर 85,140.33 अंक पर जबकि निफ्टी 35 अंक की बढ़त के साथ 26,080.45 अंक पर कारोबार करने लगा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, इटर्नल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट तथा मारुति के शेयर में सबसे अधिक तेजी रही। वहीं अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहे जबकि जापान का निक्की 225 नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सपाट रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61.27 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 317.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,772.56 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 89.95 प्रति डॉलर पर

विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में सुस्त शुरुआत के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 89.95 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर को बेचना जारी रखे हुए हैं जिससे पिछले कुछ महीनों में भारतीय रुपये पर दबाव पड़ रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा, डॉलर के मुकाबले 89.95 पर खुली जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.90 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.00 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 22.24 अंक चढ़कर 85,063.69 अंक पर जबकि निफ्टी 18.10 अंक की बढ़त के साथ 26,060.40 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61.20 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 317.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

IPO की तैयारी में Zepto, 10 मिनट डिलीवरी का स्टार्टअप बड़े दांव के लिए तैयार, शेयर बाजार में खलबली!

देश के तेजी से बढ़ते क्विक–कॉमर्स सेक्टर से एक बड़ी खबर सामने आई है। 10 मिनट में डिलीवरी देने वाली स्टार्टअप कंपनी ज़ेप्टो ने अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के लिए गोपनीय रूप से दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत का शेयर बाजार 2025 में रिकॉर्ड फंडरेजिंग की ओर बढ़ रहा है। बता दें कि ज़ेप्टो की स्थापना वर्ष 2021 में हुई थी और बेहद कम समय में यह शहरी उपभोक्ताओं के बीच लोकप्रिय हो गई। कंपनी फिलहाल 45 हजार से अधिक प्रोडक्ट्स की डिलीवरी करती है, जिनमें किराना से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान तक शामिल हैं। ज़ेप्टो का सीधा मुकाबला ब्लिंकइट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसे बड़े खिलाड़ियों से है। मौजूद जानकारी के अनुसार, कंपनी ने अक्टूबर में हुए अपने पिछले फंडिंग राउंड में 45 करोड़ डॉलर जुटाए थे, जिसमें उसका वैल्यूएशन करीब 7 अरब डॉलर आंका गया था। अब आईपीओ के जरिए ज़ेप्टो पूंजी बाजार में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराने की तैयारी में है। गौरतलब है कि गोपनीय फाइलिंग के तहत कंपनियों को आईपीओ से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक किए बिना नियामक प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा मिलती है, जिससे बाजार की अस्थिरता से बचा जा सके।

45 छक्के, 40 मिनट बॉलिंग: अभिषेक शर्मा की नजर भारतीय वनडे टीम में जगह बनाने पर? विजय हजारे ट्रॉफी को बनाया मंच

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के उभरते सितारे अभिषेक शर्मा अब खुद को सिर्फ छोटे प्रारूप तक सीमित नहीं रखना चाहते। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पहचान बना चुके अभिषेक अब 50 ओवर के क्रिकेट में भी चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने के मिशन पर हैं। विजय हजारे ट्रॉफी (VHT) उनके लिए वह मंच बन सकती है, जहां से वह वनडे टीम इंडिया में अपनी दावेदारी को मजबूती दे सकें।

ट्रेनिंग सेशन में दिखा साफ इरादा

रविवार को पंजाब टीम के ट्रेनिंग सेशन के दौरान अभिषेक शर्मा का इरादा और सोच दोनों साफ नजर आए। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, जैसे ही वह नेट्स में बल्लेबाजी करने आए, उन्होंने साथी खिलाड़ी गौरव चौधरी से एक सवाल पूछा, श्फील्ड क्या है?श यह सवाल किसी वास्तविक मैच का नहीं, बल्कि एक काल्पनिक फील्ड प्लेसमेंट को लेकर था। इसका जवाब मिला, शमिड–ऑफ सिंगल बचाने के लिए रखा है।श इस छोटी–सी बातचीत ने ही बता दिया कि अभिषेक नेट्स में भी खुद को मैच जैसी स्थिति में ढालकर तैयारी कर रहे हैं।

एक घंटे की बल्लेबाजी, 45 छक्के

इसके बाद जो हुआ, वह अभिषेक शर्मा के अंदाज का परिचय था। करीब एक घंटे तक चली बल्लेबाजी में उन्होंने रक्षात्मक खेलने का कोई इरादा नहीं दिखाया। रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक ने अनंतम क्रिकेट ग्राउंड पर लगभग 45 छक्के जड़े। यह सिर्फ ताकत का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि आक्रामक सोच और आत्मविश्वास का संकेत भी था, वही गुण, जिसने उन्हें टी20 क्रिकेट में खास बनाया है।

स्पिन के खिलाफ खास तैयारी

यह ट्रेनिंग सेशन सिर्फ लंबे शॉट्स लगाने तक सीमित नहीं था। अभिषेक ने जानबूझकर खुद को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ परखा। वह केवल ऑफ–स्पिनर, लेग–स्पिनर और लेफ्ट–आर्म ऑर्थोडॉक्स गेंदबाजों के सामने बल्लेबाजी करते नजर आए। पिच ऐसी थी जो गेंद को पकड़ रही थी और सही लेंथ पर डालने वाले गेंदबाजों को अच्छा टर्न मिल रहा था। ऐसे में अभिषेक का यह फोकस बताता है कि वह वनडे क्रिकेट की चुनौतियों को समझते हैं, जहां बीच के ओवरों में स्पिन अहम भूमिका निभाती है।

गेंदबाजी में भी पसीना बहाया

अभिषेक शर्मा सिर्फ बल्लेबाजी पर ही निर्भर नहीं रहना चाहते। उन्होंने नेट्स में करीब 40 मिनट तक लेफ्ट–आर्म स्पिन गेंदबाजी भी की। यह उनके ऑलराउंडर बनने की सोच को दर्शाता है, जो वनडे फॉर्मेट में किसी भी खिलाड़ी को अतिरिक्त बढ़त दिला सकता है।

वनडे टीम में जगह बनाना आसान नहीं

हालांकि, अभिषेक की मेहनत और इरादा साफ है, लेकिन वनडे टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम के ओपनिंग स्लॉट फिलहाल मजबूत हाथों में हैं। रोहित शर्मा और शुभमन गिल लगातार अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाकर अपनी दावेदारी और मजबूत कर ली है। ऐसे में चयनकर्ताओं को प्रभावित करने के लिए अभिषेक को विजय हजारे ट्रॉफी में असाधारण प्रदर्शन करना होगा।

बीसीसीआई की नजरें विजय हजारे पर

अभिषेक शर्मा को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया है, लेकिन वनडे स्क्वॉड का एलान अब तक नहीं हुआ है। यही वजह है कि विजय हजारे ट्रॉफी उनके लिए एक सीमित लेकिन अहम मौका बनकर आई है, जहां हर रन और हर पारी उनके करियर की दिशा तय कर सकती है।

दो दिन में खत्म टेस्ट का भारी नुकसान!

पर्थ–मेलबर्न मैचों से ऑस्ट्रेलिया को 78 करोड़ की चपत

मेलबर्न। टेस्ट क्रिकेट को पांच दिन का खेल कहा जाता है, लेकिन जब मुकाबले दो दिन में ही खत्म हो जाएं, तो रोमांच के साथ–साथ आर्थिक नुकसान भी तय होता है। ऑस्ट्रेलिया में पर्थ और मेलबर्न टेस्ट मैचों के सिर्फ दो दिन में निपटने से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को करोड़ों का झटका लगा है। ब्रिटिश अखबार 'द गार्डियन' की रिपोर्ट के मुताबिक, इन शुरुआती नतीजों ने ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड की कमाई पर सीधा असर डाला है।

पर्थ और मेलबर्न टेस्ट दो दिन में खत्म

पर्थ टेस्ट और मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया मुकाबला उम्मीद के उलट बेहद जल्दी समाप्त हो गया। आमतौर पर इन प्रतिष्ठित मैदानों पर पांच दिन तक दर्शकों की भीड़ और टिकट बिक्री से भारी राजस्व आता है, लेकिन दो दिन में मैच खत्म होने से स्टेडियम खाली रहे और मैच–डे रेवेन्यू बुरी तरह प्रभावित हुआ।

78 करोड़ रुपये का सीधा नुकसान

द गार्डियन के मुताबिक, पर्थ और मेलबर्न के इन दो–दिवसीय टेस्ट मैचों से ऑस्ट्रेलिया को करीब 13 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 78 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। इसमें टिकट बिक्री, फूड–बेवरेज, हॉस्पिटैलिटी और ब्रॉडकास्टिंग से जुड़ी कमाई शामिल है, जो मैच के पूरे पांच दिन चलने पर होती।

खिलाड़ियों और पिचों पर उठे सवाल

लगातार दो दिन में खत्म हो रहे टेस्ट मैचों ने पिच की प्रकृति और बल्लेबाजों की तकनीक पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। तेज गेंदबाजों को जरूरत से ज्यादा मदद मिलने पर मैच का संतुलन बिगड़ता दिखा, जिससे दर्शकों को लंबा मुकाबला देखने को नहीं मिला।

अश्विन का भी आया था बयान

मौजूदा एशेज में अब तक चार में से दो टेस्ट दो दिन में खत्म हुए, जबकि एक टेस्ट चार दिन और एक टेस्ट पांच दिन में खत्म हुआ है।

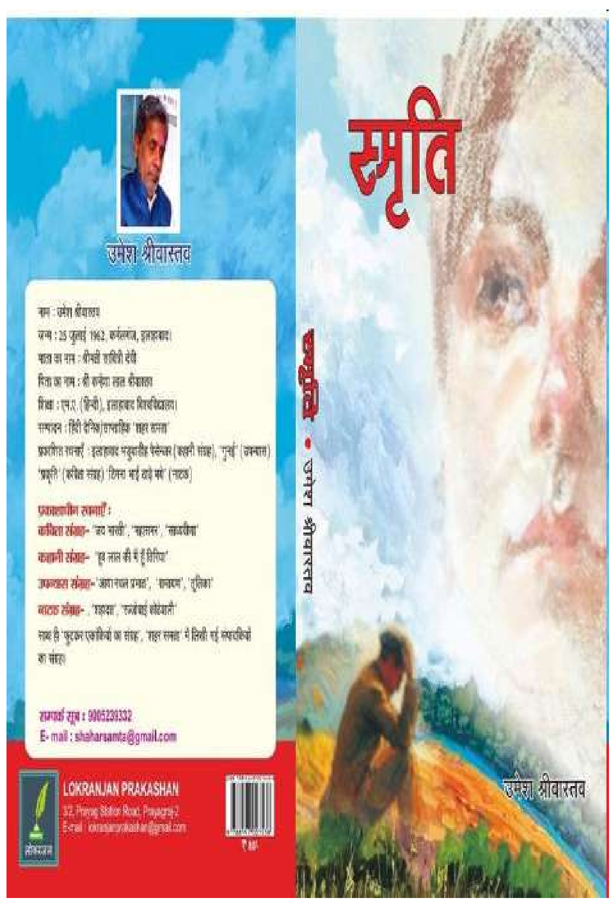

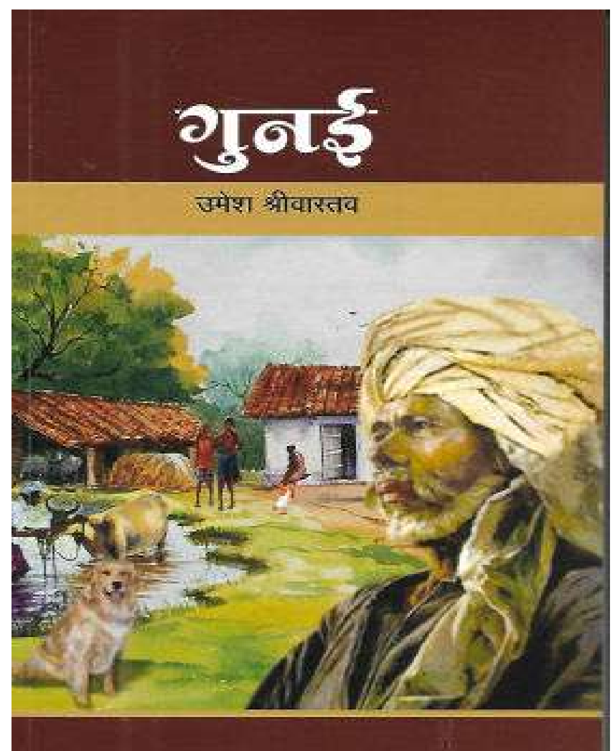

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

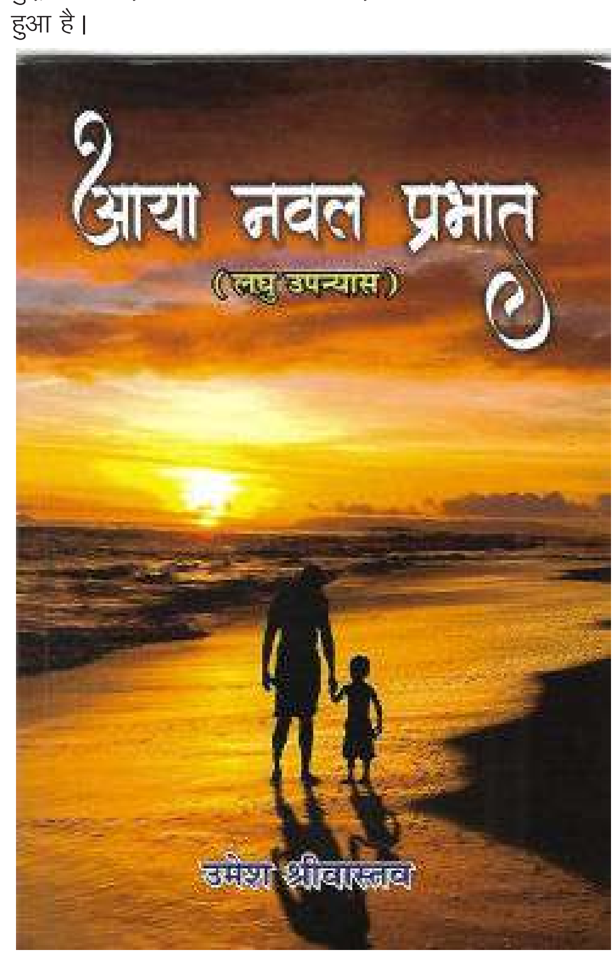

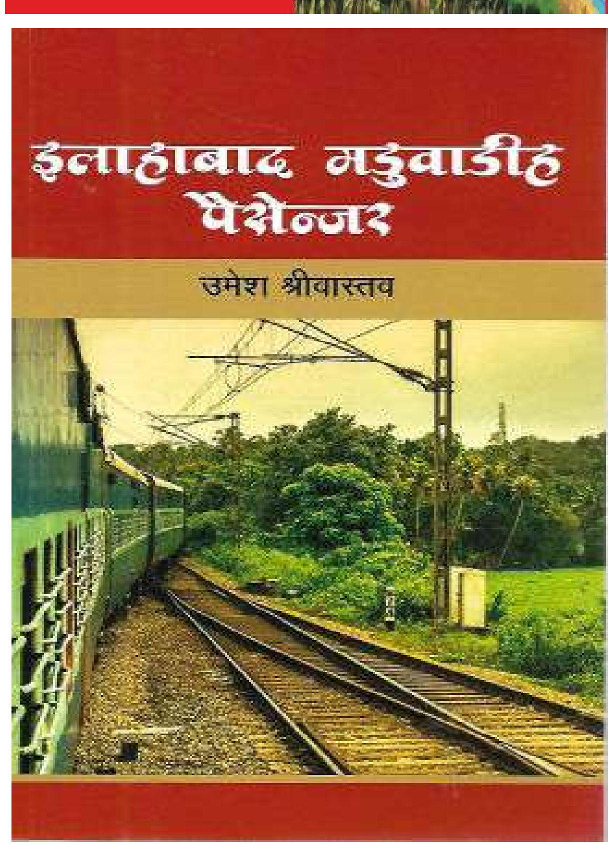

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मड़ुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

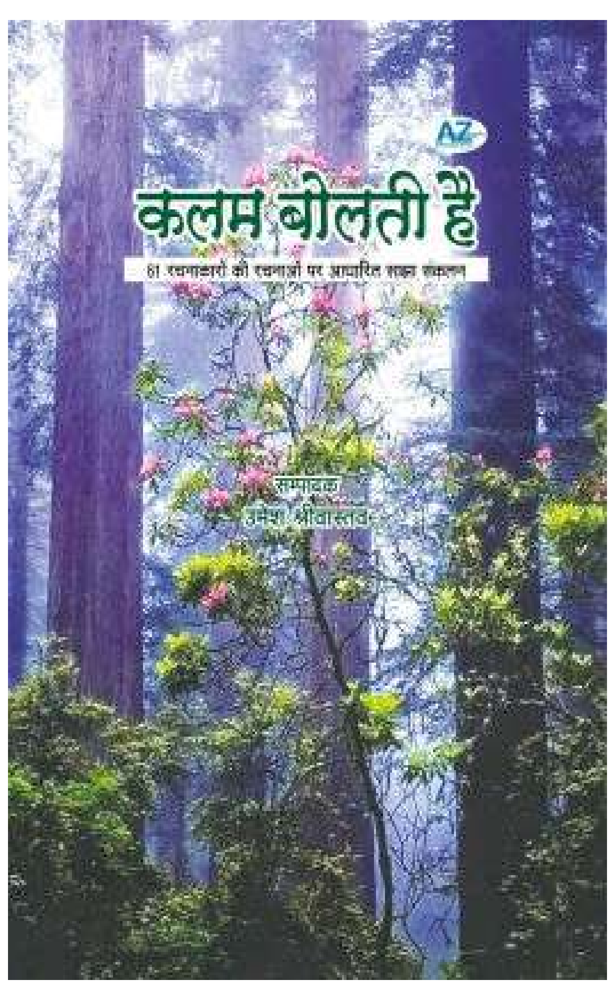

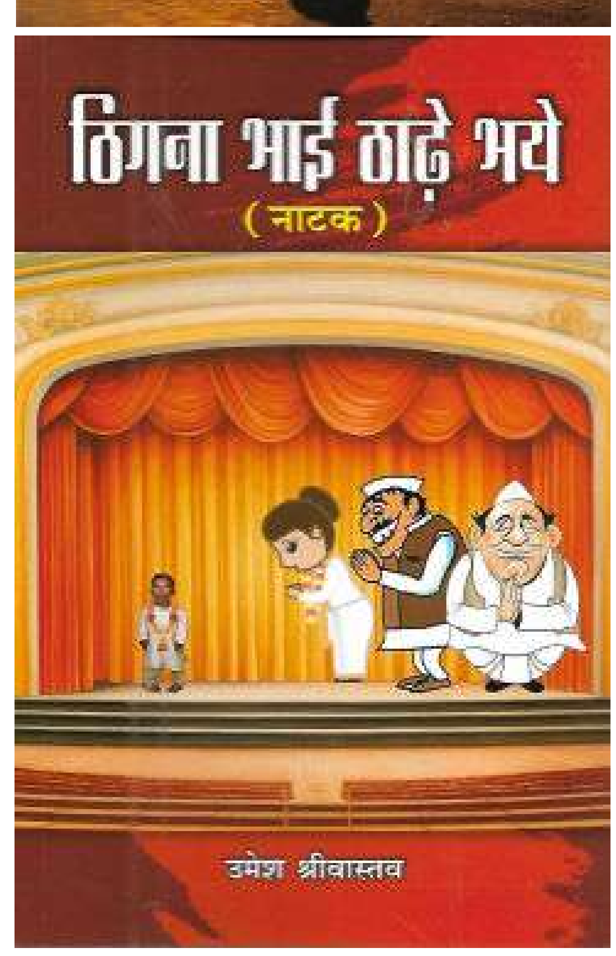

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मेक्सिको में इंटरओशनिक ट्रेन पटरी से उतरी, 13 की मौत, 98 घायल

प्रशांत महासागर को मेक्सिको की खाड़ी से जोड़ने वाली रेल लाइन पर रविवार को एक ट्रेन के पटरी से उतर जाने से 13 लोगों की मौत हो गई और 98 अन्य लोग घायल हो गए। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबॉम ने यह जानकारी दी। ओआक्साका और वेराक्रूज राज्यों को जोड़ने वाली 'इंटरओशनिक ट्रेन' निजांडा कस्बे के पास एक मोड़ से गुजरते समय पटरी से उतर गई। इस हादसे के बाद रेल लाइन पर

यातायात ठप हो गया। शिनबॉम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मेक्सिको की नौसेना ने मुझे सूचित किया है कि इंटरओशनिक ट्रेन हादसे में दुर्भाग्य से 13 लोग मारे गए हैं।'' उन्होंने बताया कि 98 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने नौसेना सचिव और गृह मंत्रालय में मानवाधिकार मामलों के उपसचिव को घटनास्थल पर जाकर प्रभावित परिवारों की व्यक्तिगत रूप से मदद करने का निर्देश दिया है। इस बीच, ओआक्साका राज्य के गवर्नर सालोमन जारा ने 'एक्स' पर बताया कि कई सरकारी एजेंसी घायलों की सहायता के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, जब हादसा हुआ, उस समय ट्रेन में 241 यात्री और चालक दल के नौ सदस्य सवार थे। 'इंटरओशनिक ट्रेन' का उद्घाटन 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रादोर ने किया था। यह रेल सेवा दक्षिणी मेक्सिको में ट्रेन यात्रा को बढ़ावा देने और प्रशांत महासागर एवं मेक्सिको की खाड़ी के बीच स्थित तेहुआंतेपेक के संकरे भूभाग के पास बुनियादी ढांचे को विकसित करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

अमेरिका 'वास्तविक' संयुक्त राष्ट्र बन गया है : डोनाल्ड ट्रंप

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच तत्काल संघर्षविराम की घोषणा करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका ही ''वास्तविक'' संयुक्त राष्ट्र बन गया है और विश्व स्तर पर संघर्षों को सुलझाने में इस वैश्विक संस्था की भूमिका बहुत कम रही है। ट्रंप ने रविवार को 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी

लड़ाई फिलहाल रुक जाएगी और वे हाल ही में हुए मूल समझौते के अनुसार शांति से रहना शुरू कर देंगे।'' ट्रंप ने दोनों देशों के ''महान नेताओं को इस त्वरित और बहुत ही निष्पक्ष निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए उनके विवेक'' की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका हमेशा की तरह युद्धों को समाप्त करने में मदद करने पर गर्व महसूस करता है। साथ ही उन्होंने विश्व भर में संघर्षों को सुलझाने में संयुक्त राष्ट्र की ''विफलता'' की आलोचना की। उन्होंने व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले आठ महीनों में आठ युद्धों को समाप्त करने का श्रेय भी फिर से लिया।

न्यू जर्सी में दो हेलीकॉप्टर हवा में टकराए, एक पायलट की मौत

अमेरिका के न्यू जर्सी में रविवार को हवा में दो हेलीकॉप्टर के आपस में टकराने से एक पायलट की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। हैमोंटन पुलिस प्रमुख केविन फ्रियल ने बताया कि बचाव दल को पूर्वाह्न करीब 11रू25 बजे विमान दुर्घटना की सूचना मिली। घटनास्थल के वीडियो में एक हेलीकॉप्टर तेजी से जमीन पर गिरता नजर आ रहा है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) के अनुसार, 'हैमोंटन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट' के ऊपर एनस्ट्रोम एफ–28ए और एनस्ट्रोम 280सी हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए। दोनों हेलीकॉप्टर में केवल पायलट ही सवार थे। उसने बताया कि दुर्घटना में एक पायलट की मौत हो गई और दूसरे को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया है। एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) मामले की जांच कर रहे हैं। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी एक्यूवेदर के अनुसार, दुर्घटना के समय हालांकि आसमान में बादल छाए हुए थे लेकिन हवा की गति धीमी थी और और दृश्यता अच्छी थी।

सूरीनाम की राजधानी परामारिबो में चाकू से हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत

सूरीनाम की राजधानी परामारिबो के बाहरी इलाके में चाकू से किए गए हमले में पांच बच्चों समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि पीड़ितों में हमलावर के चार बच्चे और पड़ोसी शामिल हैं जो उनकी सहायता के लिए आए थे। एक पड़ोसी का बच्चा भी मारा गया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पीड़ित कई घरों में थे। यह हमला परामारिबो से लगभग 25 किलोमीटर (15 मील) पूर्व में कॉमेविजन जिले के रिचल्यू में हुआ।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

बांग्लादेश बाहर, अफगानिस्तान के लिए भारत ने खोला खजाना, तोहफे में भेजा ये सब

भारत के पड़ोस में जहां एक तरफ बांग्लादेश कट्टरपंथियों की वजह से जल रहा है और भारत के खिलाफ लगातार जहर उगल रहा है तो वहीं भारत अपने उन पड़ोसियों की जो भारत की संप्रभुता का सम्मान करते हैं और भारत के साथ खड़े रहते हैं उनकी हमेशा मदद करता है। अपने पड़ोसी देशों की मदद करने के लिए भारत हमेशा ही आगे रहता है। फिर चाहे मुसीबत कैसे भी हो, भारत मदद का हाथ लेकर सबसे पहले पहुंचता है और अब इसी मदद की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए भारत ने अफगानिस्तान को एंबुलेंस की एक खेप सौंपी है। इन एंबुलेंसों को नई दिल्ली में दोनों देशों के बीच हुई उच्च स्तरीय वार्ता के दौरान भारत ने भेजने की बात कही थी और उसी बात को रखते हुए भारत ने यह खेप भेजी है। इसकी डिलीवरी अक्टूबर में हुई घोषणा के बाद से हुई है। जब भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिल्ली में अफगानी विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्तकी से मुलाकात की थी। उस बैठक में जयशंकर ने इस उपहार को सद्भावना का इशारा बताया था। उन्होंने कहा था कि 20 एंबुलेंस का यह उपहार दोस्ती और सहयोग का प्रतीक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह भी कहा था कि भारत अफगान अस्पतालों को एमआरआई और सिटी स्कैन मशीनें, टीके और कैंसर की दवाई भी उपलब्ध कराएगा। एंबुलेंसों की यह डिलीवरी भारत और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते स्वास्थ्य सहयोग को दिखाता है। जिसके तहत थैलेसीमिया सेंटर बना। आधुनिक जांच केंद्र तैयार किया गया और काबुल में स्थित इंदिरा गांधी इंस्टट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ में हिटिंग सिस्टम बदलना शामिल है। इसके साथ ही भारत ने काबुल के बग्रामी इलाके में 30 बेड का अस्पताल राजधानी में एक कैंसर सेंटर, एक ट्रॉमा सेंटर और पकिका खोस्त और पक्का प्रांतों में पांच मातृत्व स्वास्थ्य क्लीनिक बनाने का वादा भी किया है। भारत की मदद से करीब 75 अफगान नागरिकों को अब तक कृत्रिम अंग लगाए जा चुके हैं। जिसकी अफगान अधिकारियों ने सराहना भी की है। इसी महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री नूर जलाल जलाली ने भारत का दौरा भी किया था और उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष से मुलाकात की। बातचीत में दवाओं की लंबे समय तक आपूर्ति, स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और प्रशिक्षण पर चर्चा हुई। इस दौरान कैंसर की दवाओं और वैक्सीन की प्रतीकात्मक हैंडओवर भी हुई। जबकि 128 स्लाइस, सिटी स्कैन मशीन समेत बड़ी खेप जल्द अफगानिस्तान को भेजी जाएगी। भारत अफगान नागरिकों को इलाज के लिए मेडिकल वीजा देना जारी रखे हुए हैं।

बंद करो पूरा व्यापार, भारत के तगड़े ऐलान से घुटनों पर आया बांग्लादेश

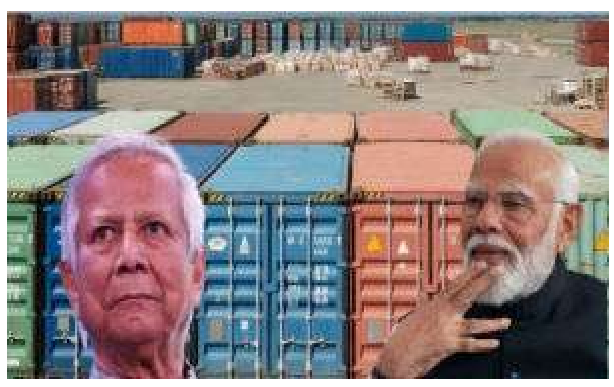

बांग्लादेश एक के बाद एक अपनी सारे हदें पार करता चला जा रहा है। दरअसल शायद बहुत ही कम लोग यह जानते हैं कि बांग्लादेश की पूरी जूट इंडस्ट्री असल में भारत के कंधों पर चलती है। जूट की खेती के लिए बांग्लादेश पूरी तरह भारत पर निर्भर है। हाई क्वालिटी, हाई यल्डिंग और डिसीज रेजिस्टेंट जूट के बीज भारत एक्सपोर्ट करता है। भारत ही इन्हीं बीजों से पैदा हुई बांग्लादेशी जूट बड़ी मात्रा में वापस खरीदता है। जिस हाथ से बीज खरीदा उसी हाथ को काटने की कोशिश की गई। यहां सबसे बड़ा विरोधाभास है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जूट उत्पादक देश है। सालाना उत्पादन 2 मिलियन टन है। भारतीय मिल्स, भारतीय फैक्ट्रियां, बांग्लादेशी जूट पर बड़े स्तर पर निर्भर हो चुकी हैं। और इसी निर्भरता का फायदा उठाते हुए सितंबर 2025 में बांग्लादेश ने भारत के लिए रॉ जूट का एक्सपोर्ट बंद कर दिया। बताया गया कि ये भारत के उस फैसले का बदला है जिसमें भारत ने बांग्लादेश से फिनिश्ड जूट गुड्स का इंपोर्ट बंद किया। अब असल वजह यह है कि बांग्लादेशी मैन्युफैक्चरर्स भारत में जूट प्रोडक्ट की डंपिंग कर रहे थे बेहद सस्ते दामों पर। नतीजा भारतीय जूट प्रोडक्ट का मार्केट खत्म हो रहा था। भारतीय मिल्स घाटे में जा रही थी। लाखों वर्कर्स की नौकरी खतरे में थी। इसी मजबूरी में भारत को फिनिश जूट गुड्स पर रोक लगानी पड़ी। यानी जब कोई व्यापार के नाम पर वार करे तो जवाब भी व्यापार से दिया जाता है। बांग्लादेश से रॉ जूट सप्लाई बंद होते ही भारतीय मिल्स को महंगी भारतीय जूट पर स्विच करना पड़ा। प्रोडक्शन कॉस्ट कई गुना बढ़ गई। कई फैक्ट्रियों में उत्पादन घट गया। नतीजा लाखों जूट वर्कर्स की नौकरियां खतरे में आ गई। हालांकि यह भी सच है कि यह सप्लाई शॉर्ट टर्म में रुकी है। लंबे समय में इंडस्ट्री भारतीय जूट पर शिफ्ट हो जाएगी। भारत बांग्लादेश से ज्यादा जूट पैदा करता है, बेहतर टेक्नोलॉजी रखता है तो फिर भारत बांग्लादेशी कीमतों को मैच क्यों नहीं कर रहा है? यही आता है सब्सिडी और नीति का खेल। बांग्लादेश सरकार जूट किसानों को भारी सब्सिडी देती है। लॉजिस्टिक में छूट एक्सपोर्ट इंसेंटिव देती है। भारत का मानना है कि सिर्फ जूट बीज नहीं बल्कि उन सभी क्रिटिकल सप्लाई चेन्स पर भारत को एक्शन लेना चाहिए जिनसे बांग्लादेश की इकॉनमी चलती है।

उत्तर कोरिया ने दागी क्रूज मिसाइल, टेंशन में आया अमेरिका

एक तरफ जहां नए साल पर जश्न मनाने की तैयारी जोरों पर है, दूसरी तरफ उत्तर कोरिया ने एक बार फिर दुनिया को अलर्ट कर दिया है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंगुन ने क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया। यह कदम 2026 में होने वाली अहम पार्टी कांग्रेस से पहले सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। एक बार फिर सन की तानाशाह किम ने ट्रिगर दबाया।

तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का कलेजा कांप उठा क्योंकि उत्तर कोरिया ने जिस क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया उसकी मारक क्षमता अमेरिका तक है जिसने अमेरिका के साथ पूरी दुनिया में टेंशन बढ़ा दी है। यह कोई ऐसी वैसी मिसाइल नहीं बल्कि क्रूज मिसाइल है जिसका परीक्षण उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की मौजूदगी में किया गया। मिसाइली कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिमी समुद्र से उड़ान भरती हुई अपने लक्ष्य पर सटीक तरीके से गिनी। यह परीक्षण उत्तर कोरिया की परमाणु ताकत और जवाबी हमले की पूरी तैयारी को साबित करता है क्योंकि क्रूज मिसाइल कम ऊंचाई पर उड़ सकती है। क्रूज मिसाइल रेडार से बचने में भी सक्षम है। आधिकारिक समाचार समिति कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, किम ने पश्चिमी तट से किए गए इन परीक्षणों पर संतोष व्यक्त किया। किम ने कहा कि यह बाहरी सुरक्षा खतरों के मद्देनजर आत्मरक्षा के अधिकार और युद्ध से निपटने में देश की शक्ति का परीक्षण है। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने पुष्टि की है कि रविवार सुबह उत्तर कोरिया के राजधानी क्षेत्र से कई क्रूज मिसाइल दागी गईं। दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह अमेरिका के साथ अपने गठबंधन के माध्यम से किसी भी संभावित उकसावे का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया पर बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण पर रोक लगाई है। हालांकि, क्रूज मिसाइल परीक्षणों पर प्रतिबंध नहीं है, लेकिन ये अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लिए बड़ा खतरा हैं क्योंकि ये कम ऊंचाई पर उड़ान भरकर रडार की नजर से बच निकलने में सक्षम हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

ताइवान जलडमरूमध्य में चीन के युद्धाभ्यास

जापान से तनातनी के बीच दिखे ड्रैगन के तेवर, अमेरिका को सीधी चुनौती

जापान के साथ बढ़ते कूटनीतिक तनाव के बीच चीन की सेना ने ताइवान जलडमरूमध्य के 'मध्य क्षेत्रों' में नए युद्धाभ्यास सोमवार को शुरू कर दिए हैं। चीन ताइवान पर अपना अधिकार जताता है और इसको लेकर चीन तथा जापान के बीच तनाव है।

सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' में कहा गया है, ''चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की पूर्वी थिएटर कमान सोमवार को ताइवान जलडमरूमध्य के मध्य क्षेत्रों में जल और हवाई क्षेत्र में अभ्यास करने के लिए लड़ाकू विमानों, बमवर्षकों और मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) के साथ समन्वय कर रही है।'' सरकारी समाचार एजेंसी में कहा गया है कि इन युद्धाभ्यासों का मकसद जमीनी लक्ष्यों को निशाना बनाने और प्रमुख लक्ष्यों पर सटीक हमले करने की सैनिकों की क्षमताओं का परीक्षण करना है। चीन, ताइवान को अपनी मुख्यभूमि का हिस्सा मानता है और इसे अपने साथ मिलाने की कोशिशें करता है, हालांकि ताइवान खुद को स्वतंत्र रूप से शासित मानता है। इन युद्धाभ्यासों में लड़ाकू विमान, लंबी दूरी के रॉकेट और यूएवी का उपयोग किया जाएगा। यह युद्धाभ्यास ऐसे समय में हो रहे हैं जब अमेरिका ने ताइपे को रिकॉर्ड 11.1 अरब डॉलर का हथियार पैकेज मंजूर किया है, जिसकी चीन ने कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही ताइवान को लेकर जापान के साथ भी कूटनीतिक तनाव बढ़ गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ताइवान के लिए 11.1 अरब अमेरिकी डॉलर के हथियार पैकेज को मंजूरी दे दी है, जिसे अगर अमेरिकी कांग्रेस द्वारा मंजूरी मिल जाती है, तो यह द्वीप को वाशिंगटन की अब तक की सबसे बड़ी हथियार बिक्री होगी। चीन ने अमेरिका की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वाशिंगटन ने 'चीन के ताइवान क्षेत्र को भारी मात्रा में उन्नत हथियार बेचने की अपनी योजना की खुलेआम घोषणा की' और 'ताइवान की स्वतंत्रता' के लिए संघर्षरत अलगाववादी ताकतों को एक बेहद गलत संदेश भेजा।

शराबखाने में हुई गोलीबारी में 9 लोग मारे गए, 10 घायल

साउथ अमेरिकी देश सुरनाम से इस वक्त एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां पर चाकूबाजी हुई है और नौ लोगों की मौत हो गई है चाकूबाजी में। साथ ही पांच बच्चों समेत नौ लोगों को मारा गया। देखिए इन नौ लोग जो मृतकों का आंकड़ा सामने आया उसमें पांच बच्चे शामिल हैं। तहमलावर को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार किया। यह हमला स्थानीय समयानुसार रात करीब 1 बजे हुआ, जब हथियारों से लैस हमलावरों का एक समूह दो वाहनों में सवार होकर शराबखाने पहुंचा और अंदर जमा ग्राहकों पर गोलियां चला दीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमले में लगभग 12 संदिग्ध शामिल थे और गोलीबारी करने के तुरंत बाद वे घटनास्थल से फरार हो गए।

भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत के बाद एलन मस्क ने कनाडा की स्वास्थ्य प्रणाली की कड़ी आलोचना की

उत्तर–पश्चिम कनाडा के एडमोंटन के एक अस्पताल में आठ घंटे से अधिक समय तक इलाज का इंतजार करते हुए कथित तौर पर हृदय गति रुकने से एक भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत के बाद अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने कनाडा की स्वास्थ्य प्रणाली की कड़ी आलोचना की है। पेशे से अकाउंटेंट प्रशांत श्रीकुमार (44) को 22 दिसंबर को काम के दौरान सीने में तेज दर्द होने के बाद अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उन्हें प्राथमिक उपचार कक्ष में ले जाया गया और फिर प्रतीक्षा कक्ष में बैठा दिया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, आठ घंटे से अधिक समय बीतने के बाद जब प्रशांत को आखिरकार इलाज के लिए बुलाया गया, तो दिल का दौरा पड़ने से कुछ ही सेकंड में उनकी मौत हो गई। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के मालिक मस्क ने एक पोस्ट में कनाडा की स्वास्थ्य प्रणाली की कड़ी आलोचना की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रशांत की पत्नी निहारिका ने शुक्रवार को मांग की कि अस्पताल के कर्मचारियों को जवाबदेह ठहराया जाए। स्थानीय मीडिया को दिए एक साक्षात्कार में निहारिका ने कहा, ''मैं प्रशांत के लिए न्याय चाहती हूं।'' इस बीच, पारिवारिक मित्र और भारतीय समुदाय के नेता वरिंदर भुल्लर ने कहा कि कनाडा की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बिगड़ रही है। उन्होंने कहा, ''जब मैं 30 साल पहले कनाडा आया था, उसकी तुलना में अब स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बदतर होती जा रही है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।